Akash Model School
Class - 10th
Subject - Hindi
Term 1
(Practice Questions)

आदर्श प्रश्न पत्र-1 (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट | पूर्णांक : 40

सामान्य-निर्देश-

1. *प्रश्न-पत्र में कुल तीन खंड हैं। खंड-क में कुल 20 प्रश्न हैं जिसमें से 10 करने हैं। खंड-ख में कुल 20 प्रश्न हैं जिनमें से 16 प्रश्न करने हैं। खंड-ग में 14 प्रश्न हैं और सभी करने हैं।*
2. *कुल 40 प्रश्न करने हैं और अधिकतम अंक 40 हैं।*
3. *प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं अतः निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।*
4. *विद्यार्थी अपना उत्तर दी गई OMR में चिन्हित करें।*

खंड-क (अपठित गद्यांश) (10 अंक)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए : 1×5=5

परिश्रम को सफलता की कुंजी माना गया है। जीवन में सफलता पुरुषार्थ से ही मिलती है। यह कहा भी गया है–उद्योगी पुरुष-सिंह को लक्ष्मी वरण करती है। जो भाग्यवादी है, उन्हें कुछ नहीं मिलता। वे हाथ पर हाथ धरे रह जाते हैं। अवसर उनके सामने से निकल जाता है। भाग्य कठिन परिश्रम का ही दूसरा नाम है। प्रकृति को ही देखिए। सारे जड़-चेतन अपने कार्य में लगे रहते हैं। चींटी को भी पल भर आराम नहीं। मधुमक्खी जाने कितनी लंबी यात्रा कर बूँद-बूँद मधु जुटाती है। मुर्गे को सुबह बाँग लगानी ही है। फिर मनुष्य को बुद्धि मिली है, विवेक मिला है। वह निठल्ला बैठे तो सफलता की कामना करना व्यर्थ है। विश्व में जो देश आगे बढ़े हैं, उनकी सफलता का रहस्य कठिन परिश्रम ही है। जापान को द्वितीय विश्व युद्ध में मिट्टी में मिला दिया गया था। उसकी अर्थव्यवस्था छिन्न-भिन्न हो गई थी। दिन-रात जी-तोड़ श्रम करके वह पुनः विश्व का प्रमुख औद्योगिक देश बन गया। चीन को शोषण से मुक्ति भारत से देर में मिली, वह भी श्रम के बल पर आज कई देशों से आगे निकल गया है। जर्मनी ने भी युद्ध की विभीषिकाए झेंली, पर श्रम के बल पर सँभल गया।

(1) उपयुक्त शीर्षक दीजिए :

(क) सफलता की कुँजी   (ख) सफलता और परिश्रम

(ग) गतिमान रहो   (घ) परिश्रम सफलता का आधार

(2) 'हाथ पर हाथ धरना' का आशय है :

(क) निकम्मे बैठना (ख) आलसी होना

(ग) आराम करना (घ) भाग्यवादी होना

(3) 'मनुष्य को ईश्वर ने क्या दिया है जो अन्य जानवरों से उसे अलग बनाती है?

(क) धन (ख) परिश्रम

(ग) बुद्धि और विवेक (घ) भाग्य

(4) लक्ष्मी किसके पास आती है ?

(क) सिंह के पास (ख) बहादुर के पास

(ग) परिश्रमी के पास (घ) उद्योगपति के पास

(5) जापान के साथ क्या दुर्घटना घटी थी ?

(क) वह विश्व युद्ध में हार गया था

(ख) वह मिट्टी के नीचे दब गया था

(ग) खंडहर हो गया था

(घ) वह युद्ध में जीत गया था

अथवा

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों से चुनिए-

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है। बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फ़ैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते हैं। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं, उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं। समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी हैं। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता, अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिल्कुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नज़र कमज़ोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है। दूरदर्शन से चिपके रहने वाले बच्चे प्रायः दुराग्रही एवं ज़िद्दी बन जाते हैं। प्रसारित किए जाने वाले प्रायोजक कार्यक्रमों में उनका मताग्रह प्रायः सनक का रूप धारण कर लेता है। बच्चों की कल्पना शक्ति क्षीण होने लगती

है। बच्चों में पढ़ने का शौक मंद या समाप्त होने लगता है। दूरदर्शन व्यसनी बच्चे इतने थक जाते हैं कि उनकी पढ़ाई उनसे हो ही नहीं पाती।

(*i*) आजकल दूरदर्शन के धारावाहिक का स्तर कैसा है?

(क) 'उच्च' कोटि का है।

(ख) बच्चों के चारित्रिक गुणों के विकास में सहायक है।

(ग) निम्न कोटि का है।

(घ) बच्चों के मानसिक विकास एवं बौद्धिक विकास को नहीं रोकते।

(*ii*) आजकल किसका प्रचलन बढ़ गया है?

(क) दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिकों को देखने का

(ख) धारावाहिकों को न देखने का

(ग) प्रसारित किए जाने वाले ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों को देखने का

(घ) अच्छी आदतों को शीघ्र अपना लेने का

(*iii*) दूरदर्शन व्यसनी बच्चों की पढ़ाई क्यों नहीं हो पाती?

(क) क्योंकि बालक अत्यंत खुश हो जाते हैं।

(ख) क्योंकि बच्चे अत्यधिक उत्साहित हो जाते हैं।

(ग) क्योंकि बच्चे अत्यधिक थक जाते हैं।

(घ) क्योंकि बच्चे उदास हो जाते हैं।

(*iv*) समाजशास्त्रियों का एक वर्ग मानता है कि-

(क) समाज में फैली अच्छाइयों का एक कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र हैं।

(ख) समाज में फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन एवं चलचित्र हैं।

(ग) दूरदर्शन के व्यसन से बच्चों का विकास होता है।

(घ) समाज के उत्थान का कारण दूरदर्शन एवं चलचित्र हैं।

(*v*) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक चुनिए-

(क) दूरदर्शन बच्चों का मित्र (ख) दूरदर्शन के फायदे

(ग) दूरदर्शन और समाज (घ) दूरदर्शन के दुष्प्रभाव

2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार सही विकल्प का चयन कीजिए : $1 \times 5 = 5$

जन्म दिया माता सा जिसने, किया सदा लालन पालन,
जिसके मिट्टी जल से ही है रच गया हम सबका तन,
गिरिवर नित रक्षा करते हैं उच्च उठाके शिखर महान,
जिसके लता-द्रुमादिक करते हमको अपनी छाया दान।
माता केवल बाल काल में निज अंक में धरती है,
हम अशक्त जब तलक तभी तक पालन पोषण करती है,
मातृभूमि करती है सबका लालन सदा मृत्यु पर्यन्त,
जिसके दया प्रवाहों का होता न सभी सपने में अंत।
मर जाने पर कण देहों के इसमें ही मिल जाते हैं,
हिंदू जलते यवन ईसाई शरण इसी में पाते हैं।
ऐसी मातृभूमि मेरी है स्वर्गलोक से भी प्यारी,
उसके चरण-कमल पर मेरा तन-मन-धन सब बलिहारी।

(1) "जन्म दिया माता सा जिसने'' यहाँ जिसने से क्या तात्पर्य है ?

(क) माता (ख) विमाता

(ग) भारत माता (घ) कोई नहीं

(2) गिरिवर का क्या अर्थ है ?

(क) भूमि (ख) नदी

(ग) पहाड़ (घ) आकाश

(3) माता कब तक हमारा पालन पोषण करती है ?

(क) जब तक हम बूढ़े न हो जाएँ

(ख) जब तक हमारी मृत्यु नहीं हो जाती

(ग) जब तक हम अशक्त रहते हैं

(घ) सिर्फ बचपन में

(4) कवि की मातृभूमि पर क्या न्योंछावर करने की इच्छा है ?

(क) तन (ख) धन

(ग) मन (घ) तन, मन, धन

(5) "चरण-कमल" में कौन-सा अंलकार है ?

(क) रूपक
(ख) उपमा
(ग) अनुप्रास
(घ) उत्प्रेक्षा

अथवा

किस भाँति जीना चाहिए किस भाँति मरना चाहिए,
सो सब हमें निज पूर्वजों से याद करना चाहिए।
पद-चिह्न उनके यत्नपूर्वक खोज लेना चाहिए,
निज पूर्व-गौरव-दीप को बुझने न देना चाहिए,
आओ मिलें सब देश-बांधव हार बनकर देश के,
साधन बने सब प्रेम से सुख-शांतिमय उद्देश्य के।
क्या सांप्रदायिक भेद से है, ऐक्य मिट सकता अहो,
बनती नहीं क्या एक माला विविध सुमनों की कहो?
प्राचीन हो कि नवीन, छोड़ो रूढ़ियाँ जो हों बुरी
बनकर विवेकी तुम दिखाओ हंस जैसी चातुरी,
प्राचीन बातें ही भली हैं, यह विचार अलीक है
जैसी अवस्था हो जहाँ वैसी व्यवस्था ठीक है,
मुख से न होकर चित्त से देशानुरागी हो सदा।
देकर उन्हें साहाय्य भरसक सब विपत्ति व्यथा हरो,
निज दुःख से ही दूसरों के दुःख का अनुभव करो।।

(1) कवि ने किस दीपक को बुझने न देने की बात कही है?

(क) पूजा का दीपक
(ख) घर का दीपक
(ग) गौरव का दीपक
(घ) महल का दीपक

(2) सभी देशवासियों को किस प्रकार मिलना चाहिए?

(क) वीर बनकर
(ख) सैनिक बनकर
(ग) शत्रुओं से लड़कर
(घ) माला बनकर

(3) कवि ने किन रूढ़ियों को छोड़ने को कहा है?

(क) प्राचीन (ख) नवीन

(ग) बुरी (घ) परंपरागत

(4) 'चतुर' किसे कहा गया है?

(क) विवेकी मनुष्य को (ख) देशवासियों को

(ग) पूर्वजों को (घ) हंस को

(5) 'प्रेम' शब्द का पर्याय नहीं है-

(क) राग (ख) स्नेह

(ग) प्रीति (घ) विराग

खंड-ख (व्याकरण) (16 अंक)

3. निम्नलिखित प्रश्न में से किन्हीं चार का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(1) किवाड़ खुलने की आवाज सुनकर बुद्धन चौंका। (वाक्य का प्रकार बताइए।)

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्र (घ) उपवाक्य

(2) अध्यापक ने हाजिरी ली और पढ़ाना शुरु कर दिया।(वाक्य का प्रकार बताइए।)

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्र (घ) उपवाक्य

(3) मैंने एक पुस्तक खरीदी जो नई है। (वाक्य का प्रकार बताइए।)

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्र (घ) उपवाक्य

(4) माँ ने अपने पुत्र को एक हजार रुपए दिए। (वाक्य का प्रकार बताइए।)

(क) सरल (ख) संयुक्त

(ग) मिश्र (घ) उपवाक्य

(5) माँ ने कहा कि बाज़ार से सब्जी ले आओ। (उपवाक्य का प्रकार बताइए।)

(क) संज्ञा (ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण (घ) क्रिया विशेषण

4. निम्नलिखित प्रश्न में से किन्हीं चार का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(1) मैंने खाना खाया। (वाच्य का प्रकार बताइए।)

(क) कर्मवाच्य

(ख) भाव वाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

(घ) संज्ञा वाच्य

(2) अमित से दौड़ा नहीं जाता। वाच्य का प्रकार बताइए।

(क) कर्मवाच्य

(ख) भाव वाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

(घ) संज्ञा वाच्य

(3) वाच्य कितने प्रकार के होते हैं ?

(क) 2

(ख) 3

(ग) 4

(घ) 6

(4) मंत्रीजी कम्बल बाँट रहे हैं। वाच्य का प्रकार बताइए।

(क) कर्मवाच्य

(ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

(घ) संज्ञा वाच्य

(5) निम्नलिखित विकल्पों में से कौन सा वाच्य का प्रकार(भेद) नहीं है।

(क) कर्मवाच्य

(ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य

(घ) संज्ञा वाच्य

5. निम्नलिखित रेखांकित पदों का परिचय लिखिए। (कोई चार) 1×4=4

(1) <u>बीरबल</u> अकबर के मंत्री थे।

(क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(ख) संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन

(ग) संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) संज्ञा, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, बहुवचन

(2) <u>मधुरिमा</u> दिल्ली जा रही है।

(क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(3) मैं <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ता हूँ।

(क) विशेषण, संख्यावाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन 'कक्षा' विशेष्य

(ख) विशेषण, परिमाणवाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन 'कक्षा' विशेष्य

(ग) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन 'कक्षा' विशेष्य

(घ) विशेषण, गुणवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन 'कक्षा' विशेष्य

(4) <u>वाह!</u> कितना सुंदर दृश्य है ?

(क) अव्यय, विस्मयादिबोधक, शोकसूचक

(ख) अव्यय, विस्मयादिबोधक, हर्षसूचक

(ग) अव्यय, विस्मयादिबोधक, दृश्यसूचक

(घ) अव्यय, संबंधबोधक, दृश्य से संबंधित

(5) <u>मुंशी प्रेमचंद</u> ने गोदान की रचना की :

(क) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ताकारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्मकारक

6. निम्नलिखित रस के प्रश्नों में से किन्हीं चार का निर्देशानुसार उत्तर दीजिए : 1×4=4

(1) उत्साह किस रस का स्थायी भाव हैं?

(क) करुण (ख) वीर

(ग) हास्य (घ) शांत

(2) गोपियों की विरह दशा के भाव किस रस के अंतर्गत आते हैं

(क) करुण (ख) वीर

(ग) हास्य (घ) श्रृंगार

(3) रस के अंग कितने हैं?

(क) 2 (ख) 3

(ग) 4 (घ) 6

(4) किसे व्यभिचारी-भाव कहते है?

(क) विभाव (ख) अनुभाव

(ग) संचारी (घ) स्थायी भाव

(5) किस रस को रसराज कहते हैं?

(क) करुण (ख) वीर

(ग) हास्य (घ) श्रृंगार

खंड-'ग' (पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित गद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए : 1×5=5

बार-बार सोचते, क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी-जवानी-जिंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है और अपने लिए बिकने के मौके ढूँढ़ती है। दुखी हो गए। पंद्रह दिन बाद फिर उसी कस्बे से गुजरे। कस्बे में घुसने से पहले ही ख्याल आया कि कस्बे की हृदयस्थली में सुभाष की प्रतिमा अवश्य ही प्रतिस्थापित होगी लेकिन सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा। क्योंकि मास्टर बनाना भूल गया। और कैप्टन मर गया। सोचा, आज वहाँ रुकेंगे नहीं हैं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे।

(1) प्रस्तुत गद्यांश किस पाठ से अवतरित है ?

(क) नेताजी का चश्मा (ख) बालगोबिन भगत

(ग) सूरदास के पद (घ) रहीम के दोहे

(2) कस्बे में किसकी मूर्ति थी ?

(क) महात्मा गाँधी जी (ख) नेहरु जी

(ग) सुभाष चंद्र बोस (घ) अम्बेडकर साहब

(3) चौराहा में कौन-सा समास है ?

(क) द्वंद्व (ख) द्विगु

(ग) कर्मधारय (घ) तत्पुरुष

(4) 'कैप्टन मर गया' यहाँ कैप्टन किसके लिए कहा गया है ?

(क) पानवाला (ख) हालदार साहब

(ग) चश्मेवाला (घ) नेताजी सुभाष चंद्र बोस

(5) पाठ के लेखक का नाम लिखिए :

(क) सूरदास (ख) तुलसीदास

(ग) स्वयं प्रकाश (घ) रामवृक्ष बेनीपुरी

8. निम्नलिखित पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए: 1+1=2

(1) बेटे की मृत्यु के बाद बालगोबिन भगत का अंतिम निर्णय क्या था ?

(क) पतोहू का पुनर्विवाह करवाना

(ख) पतोहू को शिक्षा दिलवाना

(ग) पतोहू को घर से बेइज्जत करके निकालना

(घ) पतोहू से नफरत करना

(2) चश्मेवाला एक बंद दुकान के सहारे अपना बाँस क्यों टिका रहा था?

(क) उसे किसी से बात करनी थी

(ख) उसके किसी जानकार की दुकान थी

(ग) उसकी दुकान बाजार के बीचोंबीच थी

(घ) उसकी खुद की कोई दुकान नहीं थी

काव्य-खंड

9. निम्नलिखित पद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।

समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानीं जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौं भले लोग आगे के, पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जु हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।

(1) पंक्ति में गोपियाँ ऐसा क्यों कहती हैं कि श्रीकृष्ण ने राजनीति पढ़ ली हैं?

(क) श्रीकृष्ण अच्छा राज-पाठ चला रहे थे इसलिए।

(ख) श्रीकृष्ण के राज में सभी जनता प्रसन्न हैं इसलिए।

(ग) श्रीकृष्ण स्वयं मिलने न आकार उद्धव के हाथों संदेश भिजवाया था इसलिए।

(घ) श्रीकृष्ण ने उद्धव को अपना मंत्री बनाया था इसलिए।

(2) गोपियों ने श्रीकृष्ण को और चतुर हो गए हैं ऐसा क्यों कहा ?

(क) श्रीकृष्ण के कार्य देखकर

(ख) श्रीकृष्ण की राजनीति देखकर

(ग) श्रीकृष्ण के योग संदेश को सुनकर

(घ) श्रीकृष्ण के मंत्रियों को देखकर

(3) गोपियाँ किसके कार्य को अनीति कार्य कह रही हैं ?

(क) श्रीकृष्ण के (ख) ब्रजवासियों के

(ग) उद्धव के (घ) राधा के

(4) गोपियों के अनुसार राजधर्म क्या हैं ?

(क) जो प्रजा को परेशान न करे

(ख) जो प्रजा के मनोरंजन का ध्यान रखे

(ग) जो प्रजा को भूखा न रहने दे

(घ) जो प्रजा को रोजगार दे

(5) 'पर हित डोलत धाए' शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) दूसरों के हित को रोकना

(ख) दूसरों के हित के लिए प्रयास करना

(ग) दूसरों के हित को धर्म कहते हैं

(घ) दूसरों के हित से पाप धुल जाते

10. निम्नलिखित पद्यांश से पूछे गए प्रश्नों के उचित उत्तर दीजिए : 1+1=2

(1) गोपियों के अनुसार किसने राजनीति पढ़ ली है ?

(क) नंद बाबा ने (ख) उद्धव ने

(ग) यशोदा ने (घ) श्रीकृष्ण ने

(2) राम जी ने जो धनुष सीता स्वयंवर में तोड़ा था-वह किसका था ?

(क) शिव (ख) विष्णु

(ग) ब्रह्मा (घ) महेश

आदर्श प्रश्न पत्र-2 (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट | पूर्णांक : 40

<u>सामान्य-निर्देश-</u>

1. *प्रश्न-पत्र में कुल तीन खंड हैं। खंड-क में कुल 20 प्रश्न हैं जिसमें से 10 करने हैं। खंड-ख में कुल 20 प्रश्न हैं जिनमें से 16 प्रश्न करने हैं। खंड-ग में 14 प्रश्न हैं और सभी करने हैं।*
2. *कुल 40 प्रश्न करने हैं और अधिकतम अंक 40 हैं।*
3. *प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं अतः निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें।*
4. *विद्यार्थी अपना उत्तर दी गई OMR में चिन्हित करें।*

खंड-क(अपठित बोध)

1. निम्न गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर को विकल्प में से चुनकर लिखें। $1 \times 5 = 5$

क्या आपने कभी महसूस किया है कि किसी सवाल का सही उत्तर मिल जाने के बाद सिर्फ उकताहट के सिवा कुछ बाकी नहीं बचता। इसके बाद सारे रास्ते बंद से लगने लगते हैं। दूसरी ओर एक गलत जवाब उतना ही रोचक होता है जितना कोई रहस्यमय कत्ल!

मुझे इस बात पर आश्चर्य होता है कि अपने 15 वर्षों के अध्यापन के अनुभव में मैंने गलत उत्तरों से कितना कुछ सीखा है। अपनी खुद की और अपने विद्यार्थियों, दोनों द्वारा की गई गलतियों से। अब जब भी कोई विद्यार्थी किसी प्रश्न का गलत उत्तर देता है, तो मैं उससे सबसे पहले यह पूछता हूँ कि उसने ऐसा उत्तर क्या सोचकर दिया?

कला-संकाय के छात्र अक्सर यह शिकायत करते हैं कि विज्ञान-संबंधी परीक्षाएँ उतनी रोमांचक नहीं होती, क्योंकि उनके प्रश्नों और उत्तरों का सही-सही अनुमान लगाया जा सकता है। यदि व्यक्ति को किसी प्रश्न को हल करने का तरीका पहले से ही मालूम है, तो उसके लिए कोई चुनौती नहीं बचती। यही सही है, भौतिक विज्ञान के शिक्षक बहुत कड़ी मेहनत करते हैं और सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके विद्यार्थी सही उत्तर तक पहुँच पाएँ। हालाँकि यह भी अपनी जगह सच है कि भौतिक विज्ञान के शिक्षक के लिए सबसे मजेदार स्थिति तब पैदा होती है। जब विद्यार्थी एक ऐसा गलत जवाब दे, जिसमें गलती होते हुए भी कुछ सोचने के लिए मजबूर कर देने की क्षमता हो। यही वह स्थिति होती है जब भौतिकी के किसी पहलू पर पकड़ बनाने की कोशिश कर रहे विद्यार्थी के दिमाग की कश्मकश को समझा जा सकता है।

बहुत से गलत जवाबों की तह में कुछ सही तथ्य और सोचने की शक्ति छुपी होती है। हो सकता है कि उत्तर देने वाला अपना तर्क सही न दे पाया हो या शिक्षक द्वारा दी गई व्याख्या को सही प्रकार से न समझा गया हो या फिर ऐसा भी हो सकता है जिस रूप में उसके समक्ष तथ्य प्रस्तुत किए गए उन्हीं में कोई कमी रह गई हो। हो सकता है कि भौतिक विज्ञान के सहज नियमों को समझने में ही कोई भूल हुई हो।

(1) प्रश्न का सही जवाब मिल जाने के बाद क्या बचता है ?

(क) एक बैचैनी
(ख) एक खुशी
(ग) एक उकताहट
(घ) छात्रों की प्रसन्नता

(2) गलत जवाब को रोचक क्यों कहा गया है ?

(क) गलत जवाब पर हँसने को मिलता है।
(ख) गलत जवाब प्रश्न कर्ता को सोचने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।
(ग) गलत जवाब रोचक ही होते हैं।
(घ) गलत जवाब में बेतुकी बातें होती हैं।

(3) लेखक ने अपने और अपने विद्यार्थियों के गलत जवाब से क्या सीखा ?

(क) गलत जवाब देने से रोमांच समाप्त हो जाता है।
(ख) लोग गलत जवाब देकर रोमांच महसूस करते हैं।
(ग) सवालों के सही जवाब।
(घ) लोगों के सोचने के तरीके अलग-अलग होते हैं।

(4) बहुत-से गलत जवाबों की तह में क्या छुपा होता है ?

(क) कुछ सही तथ्य और सोचने की शक्ति छुपी होती है।
(ख) एक जिज्ञासा
(ग) शर्मिन्दगी से बचने का गुण
(घ) कोई नहीं

(5) कला-संकाय के छात्र अक्सर क्या शिकायत करते हैं ?

(क) कला के विषयों में तर्क शक्ति नहीं है।
(ख) विज्ञान संबंधी परीक्षाएं उतनी रोमांचक नहीं होती, क्योंकि उनके प्रश्नों और उत्तरों का सही-सही अनुमान लगाया जा सकता है।

(ग) विज्ञान विषयों में प्रयोग के अंक होते हैं।

(घ) कला वालों को घूमने को नहीं मिलता।

अथवा

श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलंत उदाहरण है, हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी। हमारा शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रम परक कार्य करने से पहरेज करता है वह यह नहीं सोचता है कि शारीरिक श्रम परिणामतः कितना सुखदायी होता है। पसीने से सिंचित वृक्ष में लगने वाला फल कितना, मधुर होता है। 'दिन अस्त और मजदूर मस्त' इसका भेद जानने वाले महात्मा ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों को यह परामर्श दिया था कि तुम केवल पसीने की कमाई खाओगे। पसीना टपकाने के बाद मन को संतोष और तन को सुख मिलता है, भूख भी लगती है और चैन की नींद भी आती है।

हमारे समाज में शारीरिक श्रम न करना सामान्यतः उच्च सामाजिक स्तर की पहचान माना जाता है। यही कारण है कि ज्यों-ज्यों आर्थिक स्थिति में सुधार होता जाता है, त्यों-त्यों बीमारों व बीमारियों की संख्या में वृद्धि होती जाती है। इतना ही नहीं, बीमारियों की नई-नई किस्में भी सामने आती जाती हैं। जिस समाज में शारीरिक श्रम के प्रति हेय दृष्टि नहीं होती है, वह समाज अपेक्षाकृत अधिक स्वस्थ एवं सुखी दिखाई देता है। विकसित देशों के निवासी शारीरिक श्रम को जीवन का आवश्यक अंग समझते हैं। ऐसे उदाहरण भारत में ही मिल सकते हैं शत्रु दरवाजा तोड़ रहे हैं और नवाब साहब इंतजार कर रहे हैं जूते पहनाने वाली बाँदी का।

(1) श्रम की अवज्ञा के परिणाम का सबसे ज्वलंत उदाहरण क्या है ?

(क) शारीरिक श्रम न करना

(ख) अमीर होना

(ग) हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी

(घ) काम मिलने पर ही करना

(2) शिक्षित वर्ग की बेकारी का क्या कारण है ?

(क) शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने परहेज करता है

(ख) अधिक शिक्षित है इसलिए काम नहीं मिलता

(ग) केवल सरकारी नौकरी खोजता है

(घ) सही शिक्षा न मिलना

(3) उच्च सामाजिक वर्ग की क्या पहचान है ?

(क) दिखावा करना (ख) अमीर होना

(ग) जम कर खर्च करना (घ) शारीरिक श्रम न करना

(4) विकसित देशों के निवासी शारीरिक श्रम को क्या समझते हैं?

(क) जीवन का आवश्यक अंग समझते हैं

(ख) हेय समझते हैं

(ग) जीवन का आदर्श

(घ) यह केवल गरीबों के लिए है

(5) किसको चैन की नींद आती है ?

(क) अमीरों को

(ख) उच्च वर्ग को

(ग) गरीबों को

(घ) कठिन मेहनत करने वालों को

2. निम्न पद्यांशों में से किसी एक पर आधारित प्रश्नों के सही उत्तर को विकल्प में से चुनकर लिखें। $1 \times 5 = 5$

वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता
पथ पर आता।
पेट पीठ दोनों मिलकर हैं एक
चल रहा लकुटिया टेक
मुट्ठी भर दाने को.......भूख मिटाने को मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी है सदा हाथ फैलाए
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए। भूख से सूख ओंठ
दाता-भाग्य-विधाता से क्या पाते?
घूँट आँसूओं के पीकर रह जाते।

चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए।

(1) इस पद्यांश का शीर्षक होगा :

(क) जूठी पत्तल

(ख) विषमता

(ग) भिक्षुक

(घ) अमीरों की निर्दयता

(2) कुत्ते किस बात पर अड़े हुए हैं ?

(क) काटने को

(ख) जूठी पत्तलें छिनने को

(ग) साथ घर जाने को

(घ) अपनी भूख मिटने को

(3) बच्चे क्या कर रहे हैं ?

(क) हाथ फैला रहे हैं

(ख) कुत्तों को भगा रहे हैं

(ग) पत्तल चाट रहे हैं

(घ) भगवान से खाने की प्रार्थना कर रहे हैं

(4) पेट पीठ दोनों मिलकर है एक क्यों हैं ?

(क) ज्यादा चलने के कारण (ख) भूखे होने के कारण

(ग) भीख माँगने के कारण (घ) तंदरुस्त होने के कारण

(5) 'झपट' शब्द का समानार्थी है :

(क) झाड़ना

(ख) फेंकना

(ग) छीनना

(घ) इनमें से कोई नहीं

अथवा

जंगली फूलों ने लॉन के फूलों से
पूछा, बताओ क्या दुख है
क्यों सूखे जा रहे हो
दिन-प्रतिदिन मरे जा रहे हो!!
पीले, लाल, जामुनी, सफेद, नीले
पंचरंगे फूल बड़ी शान से
बिना पानी सड़क के किनारे
सूखे में खिल रहे थे
हर आते-जाते से बतिया रहे थे।
डरते नहीं थे सर्र से निकलते
साँप से
ड्रोंगों के पतंगे को झपटने से
किंगफ़िशर की घोंसला बनाने की
तैयारी की चीख से
जंगली फूल खुश थे
कि गुलदस्ते में नहीं लगाए जाएँगे
धूप के तमतमाने पर भी इतराएँगे
जबकि सुंदर से सुंदर भी
पिघलने, कुम्हलाने से नहीं बचेगा
वे जीने का उत्सव मनाते रहेंगे।

(1) धूप के तमतमाने पर भी कौन इतराएँगे ?

(क) जंगली फूल

(ख) लान के फूल

(ग) मंदिर के फूल

(घ) सुंदर फूल

(2) पंचरंगे फूल का क्या अर्थ है ?

(क) जंगली फूल (ख) लान के फूल

(ग) खूबसूरत फूल (घ) पाँच रंग के फूल

(3) घोंसला कौन बना रहा है ?

(क) लान के फूल (ख) खूबसूरत फूल

(ग) किंगफिशर (घ) कोई नहीं

(4) गुलदस्ते में कौन सजाए जाएँगे?

(क) जंगली फूल (ख) लान फूल

(ग) खूबसूरत फूल (घ) पाँच रंग के फूल

(5) "पंचरंग" में समास है ?

(क) तत्पुरुष (ख) अव्ययी भाव

(ग) द्विगु समास (घ) द्वंद्व समास

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण) (16 अंक)

3. निर्देशानुसार निम्न प्रश्नों में से सही उत्तर का चुनाव करें। (किन्हीं चार के उत्तर दें) $1\times4=4$

(1) रचना के आधाए पर वाक्य के कितने प्रकार के होते हैं ?

(क) 1 (ख) 2

(ग) 3 (घ) 4

(2) "अभी बाजार जाकर थोड़े से आम ले आओ" वाक्य को संयुक्त वाक्य में बदलें:

(क) यहाँ से बाजार जाओ और थोड़े से आम ले आओ

(ख) अभी आजार जाओ और थोड़े से आम ले आओ

(ग) बाजार जाकर आम ले आओ

(घ) बाजार से आम ले आओ

(3) जैसे ही वर्षा हुई, वैसे ही गर्मी से थोड़ी राहत मिली। यह वाक्य है

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) संज्ञा वाक्य

(4) पहली बार उसने इतना अच्छा अभिनय किया है। यह वाक्य है :

(क) सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) संज्ञा वाक्य

(5) जतिन ने कहा कि वह कल आएगा। निम्न में उपवाक्य का भेद बताएँ

(क) संज्ञा उपवाक्य (ख) विशेषण उपवाक्य

(ग) क्रिया विशेषण उपवाक्य (घ) सरल उपवाक्य

4. निर्देशानुसार निम्न प्रश्नों में से सही उत्तर का चुनाव करें। (किन्हीं चार के उत्तर दें) 1×4=4

(1) बालक हँसता है। (इसका वाच्य बताएँ)

(क) कर्तृ वाच्य (ख) कर्म वाच्य

(ग) भाव वाच्य (घ) क्रिया वाच्य

(2) विद्यालय द्वारा शिक्षा पर बहुत व्यय किया जाता है। यह वाच्य है ?

(क) कर्तृ वाच्य (ख) कर्म वाच्य

(ग) भाव वाच्य (घ) क्रिया वाच्य

(3) 'हम चलें' भाव वाच्य में परिवर्तित करें :

(क) चले हम (ख) चलते हैं हम

(ग) हमसे चला जाए (घ) चला जाए हमसे

(4) रजनी द्वारा कल विद्यालय आया जाएगा–वाक्य को कर्तृ वाच्य में बदलें

(क) रजनी से कल विद्यालय आया जाएगा।

(ख) रजनी कल विद्यालय आएगी।

(ग) रजनी कल विद्यालय से जाएगी।

(घ) रजनी द्वारा कल विद्यालय से आया जाएगा।

(5) बच्चे खेलते हैं–वाक्य को भाव वाच्य में बदलें :

(क) बच्चों द्वारा खेला जाता है (ख) बच्चे से खेलते हैं

(ग) बच्चा खेलता है (घ) इनमें से कोई नहीं

5. निर्देशानुसार निम्न प्रश्नों में से सही उत्तर का चुनाव करे। (किन्हीं चार के उत्तर दें) 1×4=4

(1) हम देश को सुंदर बनाएँगे। (रेखांकित पद का परिचय दीजिए)

(क) संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन

(ख) संज्ञा, पुल्लिग, बहुवचन

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन

(घ) संज्ञा, उत्तम, पुरुष, बहुवचन

(2) अरे वाह! कितना सुंदर फूल है। (रेखांकित पद का परिचय दीजिए)

(क) समुच्चय बोधक, हर्ष सूचक

(ख) विस्मयादिबोधक, हर्ष सूचक

(ग) संज्ञा, हर्ष सूचक

(घ) इनमें से कोई नहीं

(3) मैं थक गया इसलिए आराम कर रहा हूँ। (रेखांकित पद का परिचय दीजिए)

(क) कालवाचक क्रिया विशेषण, संबंध सूचक

(ख) समुच्चय बोधक, कारणसूचक कार्य को जोड़ने वाला

(ग) सर्वनाम, संबंध सूचक

(घ) विशेषण, कारणसूचक कार्य को जोड़ने वाला

(4) ईमानदारी बहुत दुर्लभ है। रेखांकित पद का परिचय दीजिए :

(क) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(ग) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(5) केवल धन से ही काम नहीं चलता। (रेखांकित पद का परिचय दीजिए)

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग

(ख) गुणवाचक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिग

(ग) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग

(घ) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग

6. निर्देशानुसार निम्न प्रश्नों में से सही उत्तर का चुनाव करें (किन्हीं चार के उत्तर दें) 1×4=4

(1) संचारी भाव कितने प्रकार के होते हैं ?

(क) 33 (ख) 40

(ग) 9 (घ) 10

(2) करुण रस का स्थायी भाव है ?

(क) हास्य (ख) शोक

(ग) दुख (घ) उत्साह

(3) "जसोदा हरि पालने झुलावे" में रस है :

(क) भक्ति (ख) वात्सल्य

(ग) वीर (घ) शोक

(4) शृंगार का स्थायी भाव है ?

(क) रति (ख) शोक

(ग) हास्य (घ) वीर

(5) चितवति चकित चहुँ दिसि सीता
कहाँ गए नृप किशोर मन चीता
इसमें रस है

(क) संयोग शृंगार रस

(ख) वियोग शृंगार रस

(ग) शोक

(घ) हास्य

खंड-ग

7. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5=5

मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची। जिसे कहते हैं बस्ट। और सुंदर थी। नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फ़ौजी-वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा

तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्में का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब 'जब पहली बार इस कस्बे से गुजरे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुसकान फैल गई। वाह भई! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल!

(1) लेखक के अनुसार फौजी वरदी में नेताजी कैसे लग रहे थे?

(क) सुंदर (ख) कमसिन

(ग) बहादुर (घ) (क) और (ख) दोनों

(2) मूर्ति का चश्मा कैसा है ?

(क) संगमरमर (ख) रीयल

(ग) नहीं है (घ) पत्थर

(3) यहाँ किस महापुरुष का जिक्र किया गया है ?

(क) नेहरु जी

(ख) महात्मा गाँधी जी

(ग) सुभाष चंद्र बोस

(घ) नेताजी राजा राम मोहन राय

(4) हालदार साहब कस्बे में क्यों रुकते थे ?

(क) चाय पीने (ख) पान खाने

(ग) मूर्ति देखने (घ) काम के सिलसिले में

(5) मूर्ति कितनी ऊँची थी ?

(क) 4 फुट (ख) 2 फुट

(ग) 3 फुट (घ) 4 फुट

8. पाठ्य-पुस्तक के गद्य खंड के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें : 1+1=2

(1) बालगोविन भगत अपनी सारी फसल किसे दान में दे देते थे ?

(क) गरीबों को

(ख) भिखारियों को

(ग) गाँववालों को

(घ) कबीर पंथी मठ को

(2) बच्चों द्वारा मूर्ति पर किस चीज का चश्मा लगा दिया गया था जिसे देखकर हालदार साहब की आँखें भर आयी थीं ?

(क) असली चश्मा

(ख) बच्चों रंगीन खिलौने वाला चश्मा

(ग) सरकंडे का

(घ) प्लास्टिक का

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×5 = 5

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा। को नहिं जान बिदित संसारा।।
माता पितहि उरिन भए नीकें। गुररिनु रहा सोचु बड़ जी कें।।
सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।।
अब आनिअ व्यवहरिआ बोली। तुरंत देउँ मैं थैली खोली।।
सुनि कटु वचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।
भृगुबर परसु देखाबहु मोही। बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही।।
मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े। द्विजदेवता धरहि के बाढ़े।।
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे। रघुपति सयनहिं लखनु नेवारे।।

(1) कवि का नाम बताएँ ?

(क) तुलसीदास

(ख) सूरदास

(ग) प्रेमचंद

(घ) स्वयं प्रकाश

(2) "व्यवहारिआ" का क्या अर्थ है ?

(क) सैनिक

(ख) राजा

(ग) गणना करने वाला

(घ) गुरु

(3) नृपद्रोही किसे कहा गया है ?

(क) लक्ष्मण को

(ख) परशुराम को

(ग) विश्वामित्र को

(घ) राम को

(4) सारी सभा 'हाय! हाय!' क्यों चिल्लाने लगी ?

(क) लक्ष्मण की बातों को सुनकर

(ख) राम के वीरता को देखकर

(ग) परशुराम के क्रोध को देखकर

(घ) राजा जनक के बातों को सुनकर

(5) राम ने लक्ष्मण को कैसे रोका ?

(क) आँखों के संकेत से

(ख) हाथों के इशारे से

(ग) गुरु विश्वामित्र द्वारा

(घ) राम ने लक्ष्मण को नहीं रोका

10. पाठ्य-पुस्तक के पद्य खंड के आधार पर निम्न प्रश्नों के उत्तर दें : 1+1=2

(1) गोपियों ने चींटी किसे कहा है ?

(क) कृष्ण को

(ख) उद्धव को

(ग) स्वयं अपने को

(घ) गाँवों वालों को

(2) राम-परशुराम-लक्ष्मण संवाद रामचरितमानस के किस कांड से लिया गया है?

(क) बालकांड

(ख) अयोध्या कांड

(ग) अरण्यकांड

(घ) लंकाकांड

आदर्श प्रश्न पत्र-3 (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट पूर्णांक : 40

सामान्य-निर्देश :

1. *इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं–क, ख और ग।*
2. *इस प्रश्न पत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
3. *खंड-क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।*
4. *खंड-ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*
5. *खंड-ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*
6. *सही उत्तर वाले गोले को भली प्रकार से केवल नीली या काली स्याही वाले बॉल पॉइंट पेन से ही ओ.एम.आर. शीट में भरें।*

खंड-क (अपठित बोध)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का उत्तर दीजिए। (1×5=5)

जिस प्रकार आत्मा की मुक्तावस्था ज्ञानदशा कहलाती है, उसी प्रकार हृदय की मुक्तावस्था रसदशा कहलाती है। हृदय की इसी मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी जो शब्द विधान करती आई है, उसे कविता कहते हैं। इस साधना को हम भावयोग कहते हैं और कर्मयोग और ज्ञानयोग का समकक्ष मानते हैं। कविता ही मनुष्य के हृदय को स्वार्थ-संबंधों के संकुचित मंडल से ऊपर उठाकर लोक-सामान्य भाव भूमि पर ले जाती है, जहाँ जगत की नाना गतियों के मार्मिक स्वरूप का साक्षात्कार और शुद्ध अनुभूतियों का संचार होता है, इस भूमि पर पहुँचे हुए मनुष्य को कुछ काल के लिए अपना पता नहीं रहता। वह अपनी सत्ता को लोकसत्ता में लीन किए रहता है।

कविता की हृदय को प्रकृत दशा में लाती है और जगत के बीच क्रमशः उसका अधिकाधिक प्रसार करती हुई उसे मनुष्यत्व की उच्च भूमि पर ले जाती है। भाव योग की सबसे उच्च कक्षा पर पहुँचे हुए मनुष्य का जगत के साथ पूर्ण तादातम्य हो जाता है उसकी अलग भाव सत्ता नहीं रह जाती, उसका हृदय विश्व-हृदय हो जाता है। प्रायः सुनने में आता है कि कविता का उद्देश्य मनोरंजन है। पर जैसा कि हम पहले कह आए हैं कविता

का अंतिम लक्ष्य जगत के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करके उनके साथ मनुष्य हृदय का सामंजस्य स्थापन है। इतनी गंभीर उद्देश्य के स्थान पर केवल मनोरंजन का हल्का उद्देश्य सामने रखकर जो कविता का पठन-पाठन या विचार करते हैं, वे रास्ते में ही रह जाने वाले पथिक के समान हैं। कविता पढ़ते समय मनोरंजन अवश्य होता है, पर उसके उपरांत कुछ और भी होता है और वहीं पर सब कुछ है।

(1) हृदय की मुक्तावस्था क्या कहलाती है ?

(क) रसदशा (ख) ज्ञानदशा

(ग) रूपदशा (घ) मनोदशा

(2) कविता है :

(क) हृदय की मुक्तावस्था

(ख) कर्मयोग और ज्ञानयोग के समकक्ष ही भावयोग

(ग) हृदय की मुक्ति की साधना के लिए मनुष्य की वाणी द्वारा किया गया विधान

(घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

(3) आत्मा की मुक्तावस्था क्या कहलाती है ?

(क) रसदशा

(ख) ज्ञानदशा

(ग) रूपदशा

(घ) मनोदशा

(4) कविता क्या करती है ?

(क) हृदय को प्रकृत दशा में लाती है

(ख) मनुष्यत्व की उच्च भूमि पर ले जाती है

(ग) मनुष्य का जगत के साथ पूर्ण तादातम्य स्थापित करती है

(घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं

(5) कविता के उद्देश्य क्या हैं ?

(क) केवल और केवल मनोरंजन

(ख) जगत के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करना

(ग) मनुष्य हृदय में असमंजस पैदा करना

(घ) भाषा ज्ञान कराना

अथवा

किसी मनुष्य में जन-साधारण से विशेष गुण व शक्ति का विकास देख उसके संबंध में जो एक स्थायी आनंद पद्धति हृदय में स्थापित हो जाती है उसे श्रद्धा कहते हैं। श्रद्धा महत्त्व की आनंदपूर्ण स्वीकृति के साथ-साथ पूज्य बुद्धि का संचार है। यदि हमें निश्चय हो जाएगा कि कोई मनुष्य बड़ा वीर, बड़ा सज्जन, बड़ा गुणी, बड़ा दानी, बड़ा विद्वान, बड़ा परोपकारी या बड़ा धर्मात्मा है तो वह हमारे आनंद का एक विषय हो जाएगा। हम उसका नाम आने पर प्रशंसा करने लगेंगे, उसे सामने देख आदर से सिर नवायेंगे; किसी प्रकार का स्वार्थ न रहने पर भी हम उसका सदा भला चाहेंगे, उसकी बढ़ती से प्रसन्न होंगे और अपनी पोषित आनंद पद्धति में व्याघात पहुँचने के कारण उसकी निंदा न सह सकेंगे। इससे सिद्ध होता है कि जिन कर्मों के प्रति श्रद्धा होती है उनका होना संसार को वांछित है। यही विश्वकामना श्रद्धा की प्रेरणा का मूल है।

प्रेम और श्रद्धा में अंतर यह है कि मेरा स्वाधीन कार्यों पर उतना निर्भर नहीं, कभी-कभी किसी का रूप मात्र, जिसमें उसका कुछ भी हाथ नहीं, उसके प्रति प्रेम उत्पन्न होने का कारण होता है, पर श्रद्धा ऐसी नहीं है। किसी की सुंदर आँख व नाक देखकर उसके प्रति श्रद्धा नहीं उत्पन्न होगी, प्रीति उत्पन्न हो सकती है। प्रेम के लिए इतना ही बस है कि कोई मनुष्य हमें अच्छा लेगे, पर श्रद्धा के लिए आवश्यक यह है कि मनुष्य किसी बात में बढ़ा हुआ होने के कारण हमारे सम्मान का पात्र हो। श्रद्धा का व्यापार-स्थल विस्तृत है, प्रेम का एकांत। प्रेम में घनत्व अधिक है और श्रद्धा में विस्तार। किसी मनुष्य से प्रेम रखने वाले दो ही एक मिलेंगे, पर उस पर श्रद्धा रखने वाले सैंकड़ों, हजारों, लाखों क्या करोड़ों में मिल सकते हैं। सच पूछिए तो इसी श्रद्धा के आश्रय से उन कर्मों के महत्त्व का भाव दृढ़ होता रहता है जिन्हें हम धर्म कहते हैं.....। प्रेम का कारण बहुत कुछ अनिर्दिष्ट और अज्ञात होता है; पर श्रद्धा का कारण निर्दिष्ट और ज्ञात होता है। कभी-कभी केवल एक साथ रहते-रहते दो प्राणियों में यह भाव उत्पन्न हो जाता है कि वे बराबर साथ रहें; उनका साथ कभी न छूटे....। श्रद्धा और प्रेम के योग का नाम भक्ति है।

(1) श्रद्धा क्या है ?

(क) हृदय की आनंद पद्धति (ख) महत्त्व की स्वीकृति

(ग) पूज्य बुद्धि का संचार (घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं

(2) किसी के प्रति श्रद्धा की प्रेरणा का मूल क्या है ?

(क) उस मनुष्य का बड़ा वीर, बड़ा सज्जन, बड़ा गुणी होना

(ख) उस मनुष्य का बड़ा दानी, बड़ा विद्वान, बड़ा परोपकारी या बड़ा धर्मात्मा होना

(ग) उसके कर्मों का संसार के लिए वांछित होना

(घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

(3) प्रेम और श्रद्धा में क्या अंतर है? सही कथन चुनिए :

(क) प्रेम स्वाधीन कार्यों पर निर्भर नहीं

(ख) श्रद्धा का व्यापार स्थल विस्तृत है, प्रेम का एकांत

(ग) प्रेम में घनत्व कम है और श्रद्धा में विस्तार

(घ) केवल कथन (क) और (ख) सही हैं।

(4) श्रद्धा के लिए आवश्यक है :

(क) मनुष्य किसी बात में बढ़ा हुआ हो

(ख) हमारे सम्मान का पात्र हो

(ग) धार्मिक पूजा-पाठ न करता हो

(घ) केवल कथन (क) और (ख) सही हैं।

(5) प्रीति के विषय में सत्य क्या है ?

(क) रूपमात्र दर्शन से हो सकती है

(ख) उसमें घनत्व अधिक होता है

(ग) उसके लिए खुला वातावरण चाहिए

(घ) केवल कथन (क) और (ख) सही हैं।

2. नीचे दो अपठित पद्यांश दिए गए हैं। किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए : 1×5=5

हम कौन थे, क्या हो गए हैं, जान लो इसका पता,
जो थे कभी गुरु, है न उनमें शिष्य की भी योग्यता!
जो थे सभी से अग्रगामी, आज पीछे भी नहीं,
है दीखती संसार में विपरीतता ऐसी कहीं।।
हे भाइयो! सोये बहुत अब तो उठो, जागे अहो!
देखो जरा अपनी दशा, आलस्य को त्यागो अहो!
कुछ पार है, क्या क्या समय के उलट-फेर न हो चुके!
अब भी सजग होंगे न क्या? सर्वस्व तो हो खो चुके।।
बैठे हुए हो व्यर्थ क्यों? आगे बढ़ो, ऊँचे चढ़ो;
है भाग्य की क्या भावना? अब पाठ पौरुष का पढ़ो।

है सामने का ग्रास भी मुख में स्वयं जाता नहीं!
हा! ध्यान उद्‌यम का तुम्हें तो भी कभी आता नहीं।।
रक्खो परस्पर मेल मन से छोड़कर अविवेकता,
मन का मिलन ही मिलन है, होती उसी से एकता।
तन मात्र के ही मेल से है मन भला मिलता कहीं,
है बाह्य बातों से कहीं कभी अंतःकरण खिलता नहीं।।

(1) पद्यांश की प्रथम चार पंक्तियों से किस बात का पता चल रहा है?

(क) पतन का (ख) विनाश का

(ग) उत्थान का (घ) उपर्युक्त में (क) और (ख) सही हैं

(2) "सर्वस्व खो चुके" का अर्थ है :

(क) सब कुछ ठीक है (ख) सब कुछ नष्ट हो चुका

(ग) हम प्रगतिहीन है (घ) इनमें से कोई नहीं

(3) "व्यर्थ बैठना" का अर्थ नहीं है :

(क) खाली होना (ख) बेकार होना

(ग) निठल्ला होना (घ) कारीगर होना

(4) एकता कैसे स्थापित होगी ?

(क) अविवेक का त्याग (ख) मन-मिलन करके

(ग) बाह्य बातों से (घ) उपर्युक्त में (क) और (ख) सही हैं

(5) "ग्रास" शब्द का अर्थ है :

(क) घास (ख) कौर (रोटी का टुकड़ा)

(ग) फल (घ) मिठाई

अथवा

हमको समय को देखकर ही नित्य चलना चाहिए,
बदले हवा जब जिस तरह हमको बदलना चाहिए।
विपरीत विश्व-प्रवाह के निज नाव जा सकती नहीं;
अब पूर्व की बातें सभी प्रस्ताव पा सकती नहीं।।

पुरुषत्व दिखलाओ पुरुष हो, बुद्धिबल से काम लो,
अब तक न थककर तुम कभी अवकाश या विश्राम लो-
जब तक कि भारत पूर्व के पद पर पुनरासीन हो,
फिर ज्ञान में, विज्ञान में, जब तक न वह स्वाधीन हो।।
वीरो! उठो, अब तो कुयश की कालिमा को मेट दो,
निज देश को जीवन सहित तन, मन तथा धन भेंट दो,
रघु, राम, भीष्म तथा युधिष्ठिर सम न हो जो ओज से-
तो वीर विक्रम से बनो, विद्यानुरागी भोज से।।
अब तो उठो, हे बंधुओं! निज देश की जय बोल दो;
बनने लगें सब वस्तुएँ, कल-कारखाने खोल दो।
जावे यहाँ से और कच्चा माल अब बाहर नहीं-
हो 'मेड इन' के बाद बस अब 'इंडिया' ही सब कहीं।।

(1) हमें किस तरह आगे चलना चाहिए ?

(क) समय को देखकर (ख) हवा को देखकर

(ग) विश्व-प्रवाह देखकर (घ) उपर्युक्त सभी सही हैं

(2) हमें अपने पौरुष का प्रयोग करना है :

(क) भारत का प्राचीन गौरव दिलाने के लिए

(ख) निजी अवकाश या विश्राम के लिए

(ग) ज्ञान-विज्ञान में आत्मनिर्भर बनाने के लिए

(घ) उपर्युक्त में (क) और (ग) सही हैं

(3) देश के वीरों को उठकर कैसा बनना है ?

(क) रघु, राम जैसा (ख) भीष्म और युधिष्ठिर जैसा

(ग) वीर विक्रम और भोज जैसा (घ) उपर्युक्त सभी सही हैं।

(4) कवि की अभिलाषाएँ क्या हैं ?

(क) देश की जयकार हो

(ख) नये कारखाने खोले जाए

(ग) निर्मित वस्तुओं पर "मेड इन इंडिया" लिखा हो

(घ) उपर्युक्त सभी सही हैं

(5) "कुयश की कालिमा मेट देने" का अर्थ क्या है?

(क) अपयश का कलंक हटाना (ख) कुयश का रंग बदलना

(ग) दुश्मनों को हरा देना (घ) इनमें से कोई नहीं

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण) (16 अंक)

3. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 4 = 4$

(1) दीपक जला और अंधेरा नष्ट हुआ। रचना के आधार पर वाक्य भेद क्या है?

(क) संयुक्त वाक्य (ख) संकेतवाचक वाक्य

(ग) विधानवाचक वाक्य (घ) मिश्र वाक्य

(2) 'मुसीबत आ जाए तो भागना उचित नहीं।' रचना के आधार पर वाक्य का भेद बताइए।

(क) संयुक्त वाक्य (ख) सरल वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) आज्ञावाचक वाक्य

(3) रचना की दृष्टि से इनमें से कौन-सा विकल्प वाक्य का भेद नहीं है ?

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) समूह वाक्य (घ) संयुक्त वाक्य

(4) उपवाक्य के कितने भेद होते हैं ?

(क) चार (ख) तीन

(ग) दो (घ) पाँच

(5) "मैं जानता था कि सुमन अवश्य ही नृत्य करेगी।" वाक्य में कौन-सा उपवाक्य भेद है ?

(क) विशेषण उपवाक्य (ख) क्रियाविशेषण उपवाक्य

(ग) सर्वनाम उपवाक्य (घ) संज्ञा उपवाक्य

4. निर्देशानुसार किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 4 = 4$

(1) "रोहन ने संदेश को पुस्तक दी।" इस वाक्य में कौन-सा वाच्य है?

(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) क्रिया वाच्य

(2) कर्म की प्रधानता वाले वाक्य में कौन-सा वाच्य होता है ?

(क) कर्मवाच्य (ख) भाववाच्य

(ग) कर्तृवाच्य (घ) क्रिया वाच्य

(3) "अनीता से चला नहीं जा सकता।" इस वाक्य का कर्तृवाच्य में परिवर्तित रूप क्या है ?

(क) अनीता नहीं चलती है

(ख) अनीता द्वारा चला जा सकता है

(ग) अनीता चलने के लिए उत्सुक है

(घ) अनीता नहीं चल सकती है

(4) कर्मवाच्य की क्रिया कैसी होतीं है ?

(क) अकर्मक (ख) सकर्मक

(ग) रंजक (घ) पूर्वकालिक

(5) "कविता के द्वारा दूध पिया गया।" इस वाक्य का कर्तृवाच्य में रूपांतरण कीजिए।

(क) कविता ने दूध पिया (ख) कविता से दूध पिया गया

(ग) कविता से दूध नहीं पिया गया (घ) दूध नहीं पिया कविता ने

5. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों हेतु उचित पद-परिचय चुनिए : $1 \times 4 = 4$

(1) <u>राम</u> बहुत बीमार है।

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

(ग) समूहवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

(2) <u>वाह!</u> क्या दृश्य है।

(क) क्रियाविशेषण अव्यय, हर्षसूचक

(ख) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक

(ग) समुच्चयबोधक अव्यय, हर्षसूचक

(घ) इनमें से कोई नहीं

(3) वकील ने काला कोट पहना हुआ है।

(क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, कोट का विशेष्य।

(ख) सार्वनामिक विशेषण, बहुवचन, पुल्लिग, कोट का विशेष्य।

(ग) संख्यावाचक विशेषण, एकवचन, स्त्रीलिंग, कोट का विशेष्य।

(घ) परिमाणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, कोट का विशेष्य।

(4) "चुप बैठो ताकि मैं अपना कार्य कर सकूँ।" इस वाक्य में "ताकि" शब्द किस प्रकार का अव्यय है।

(क) संबंधबोधक अव्यय

(ख) समुच्चयबोधक अव्यय

(ग) विस्मयादिबोधक अव्यय

(घ) क्रियाविशेषण अव्यय

(5) "मेरी माँ रोज रामायण पढती है।" इस वाक्य में 'पढती है' क्रिया का सही पद-परिचय क्या है ?

(क) सकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, एकवचन, वर्तमान काल

(ख) अकर्मक क्रिया, स्त्रीलिंग, बहुवचन, भूतकाल

(ग) द्विकर्मक क्रिया, पुल्लिग, एकवचन, वर्तमान काल

(घ) प्रेरणार्थक क्रिया, पुल्लिग, बहुवचन, भविष्य काल

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 4 = 4$

(1) सामान्यत: रस के कुल कितने भेद होते हैं?

(क) सात

(ख) नौ

(ग) दस

(घ) तेरह

(2) शांत रस का स्थाई भाव क्या है ?

(क) जुगुप्सा

(ख) क्रोध

(ग) शोक

(घ) निर्वेद

(3) "विभावानुभाव व्यभिचारि संयोग द्रस निष्पत्तिः।" किसने कहा था?

(क) मम्मट

(ख) भरतमुनि

(ग) विश्वनाथ

(घ) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(4) ''रति'' किस रस का स्थाई भाव है ?

(क) वीर रस (ख) रौद्र रस

(ग) भयानक रस (घ) श्रृंगार रस

(5) दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,

देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं।

इन पंक्तियों में किस रस का प्रयोग हुआ है।

(क) भयानक रस (ख) करुण रस

(ग) वात्सल्य रस (घ) हास्य रस

खंड-ग (पाठ्य-पुस्तक) 1×5 = 5

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।

हालदार साहब की आदत पड़ गई, हर बार कस्बे से गुजरते समय चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखना। एक बार अब कौतूहल दुर्दमनीय हो उठा तो पानवाले से ही कुछ लिया, ''क्यों भई! क्या बात है? यह तुम्हारे नेताजी का चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पानवाले के मुँह में पान ठुंसा हुआ था। वह एक काला मोटा और खुशमिजाज आदमी था। हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों-ही-आँखों में हँसा, उसकी तोंद थिरकी। पीछे घूमकर उसने दुकान के नीचे पान थूका और अपनी लाल-काली बत्तीसी दिखाकर बोला, कैप्टन चश्में वाला करता है।

(1) इस गद्यांश के लेखक कौन हैं?

(क) प्रेमचंद (ख) रामवृक्ष बेनीपुरी

(ग) स्वयं प्रकाश (घ) यशपाल

(2) हालदार साहब ने पानवाले से क्या पूछा ?

(क) मूर्ति के बारे में

(ख) पाने के बारे में

(ग) चश्मा हर बार बदलने के बारे में

(घ) चश्मा बदलने वाले के बारे में

(3) हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी ?

(क) पान खाने की

(ख) मूर्ति को ध्यान से देखने की

(ग) चौराहे पर रुकने की

(घ) उपरोक्त सभी

(4) पानवाला कैसा व्यक्ति था ?

(क) वह एक खुशमिजाज व्यक्ति था

(ख) वह बहुत उदास व्यक्ति था

(ग) वह एक मूर्ख व्यक्ति था

(घ) वह एक ईर्ष्यालु व्यक्ति था

(5) हालदार साहब का कौतूहल दुर्दमनीय क्यों हो उठा ?

(क) उनका कौतूहल बढ़ गया था।

(ख) वह बार-बार बदलते चश्मा का कारण जानना चाहते थे।

(ग) वह स्वयं पर नियंत्रण नहीं रख पा रहे थे।

(घ) सभी विकल्प गलत हैं।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए : 1+1=2

(1) बालगोबिन भगत के गायन का चरमोत्कर्ष कब देखा गया?

(क) धान की रोपाई के समय

(ख) पुत्र की मृत्यु पर

(ग) साहब के मठ में

(घ) गंगा स्नान पर

(2) बालगोबिन भगत द्वारा अपनी पुत्रवधू से अपने बेटे की चिता को मुखाग्नि दिलवाना क्या सिद्ध करता है ?

(क) वे अपनी पुत्रवधू को बेटा मानते थे

(ख) वे कबीर के आदर्शों का पालन करना चाहते थे

(ग) वह अपने पुत्र से प्यार करते थे

(घ) वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते थे

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए: 1×5 = 5

कहेउ लखन मुनि सीलु तुम्हारा। को नहिं जान बिदित संसारा।।
माता पितहि उरिन भए नीकें। गुररिनु रहा सोचु बड़ जी कें।।
सो जनु हमरेहि माथें काढ़ा। दिन चलि गए ब्याज बड़ बाढ़ा।।
अब आनिअ ब्यवहरिआ बोली। तुरंत देउँ मैं थैली खोली।।
सुनि कटु वचन कुठार सुधारा। हाय हाय सब सभा पुकारा।।
भृगुबर परसु देखाबहु मोही। बिप्र बिचारि बचौं नृपद्रोही।।
मिले न कबहूँ सुभट रन गाढ़े। द्विजदेवता धरहि के बाढ़े।।
अनुचित कहि सबु लोगु पुकारे। रघुपति सयनहि लखन निवारे।।
लखन उतर आहुति सरिस भृगुवरकोपु कृसानु।
बढ़त देख जल सम बचन भोले रघुकुलभानु।।

(1) काव्यांश में किसके शील स्वभाव की बात कही गई है?

(क) परशुराम के

(ख) लक्ष्मण के

(ग) राम के

(घ) जनक के

(2) लक्ष्मण ने गुरु ऋण चुकाने के विषय में क्या कहा ?

(क) आप अपने हिसाब किताब करने वाले को बुला लीजिए।

(ख) आप अपना ऋण मत बताइये।

(ग) आप ब्याज का हिसाब लगा लीजिए।

(घ) अपने गुरु को बुला लीजिए।

(3) काव्यांश में "आहुति" शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

(क) परशुराम के वचनों के लिए

(ख) लक्ष्मण के वचनों के लिए

(ग) राम के वचनों के लिए

(घ) विश्वामित्र के वचनों के लिए

(4) सभा हाय हाय क्यों पुकारने लगी ?

(क) परशुराम को फरसा रखते हुए देखकर

(ख) लक्ष्मण के अनुचित वचन सुनकर

(ग) लक्ष्मण द्वारा परशुराम की अवमानना देखकर

(घ) परशुराम के फरसे से डरकर

(5) इसका काव्यांश की भाषा कौन-सी है?

(क) ब्रज भाषा

(ख) खड़ी बोली

(ग) अवधी भाषा

(घ) मैथिली

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए : 1+1=2

(1) अपने तन-मन की व्यथा को गोपियाँ किस आशा में सहन कर रही थीं?

(क) श्रीकृष्ण के आने की आशा में

(ख) उद्धव के जाने की आशा में

(ग) बलराम के आने की आशा में

(घ) सूरदास के आने की आशा में

(2) "हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।" यह किसने किससे कहा है?

(क) गोपियों ने अपनी सखियों से

(ख) गोपियों ने उद्धव से

(ग) गोपियों ने श्रीकृष्ण से

(घ) गोपियों ने सूरदास से

आदर्श प्रश्न पत्र-4 (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट पूर्णांक : 40

सामान्य-निर्देश :

1. *इस प्रश्न-पत्र के तीन खंड हैं-क, ख और ग।*
2. *सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।*
3. *यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।*
4. *विद्यार्थी अपना उत्तर दी गई OMR में चिन्हित करें।*

खंड-क (अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

वन महोत्सव का मतलब पेड़ों का उत्सव है। भारत में धरती माता की रक्षा के लिए इसे धर्म युद्ध की तरह शुरु किया गया। इनकी अनौपचारिक शुरुआत जुलाई 1947 में दिल्ली में सघन वृक्षारोपण हेतु आंदोलन के रूप में बीड़ा उठाकर की गई। यह भारत में प्रतिवर्ष जुलाई के प्रथम सप्ताह में वृक्षारोपण के लिए मनाया जाने वाला उत्सव है। यह पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक परिवेश के प्रति संवेदनशीलता को अभिव्यक्त करने वाला आंदोलन है। इसका सूत्रपात तत्कालीन कृषि मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने 1950 में किया था। वन महोत्सव लोगों में पेड़ों को काटने से होने वाले नुकसान के प्रति सजगता फैलाने में सहायक है। इस अवसर पर लोगों को पेड़ों को काटने से होने वाले नुकसान के प्रति सजग किया जाता है। लोगों को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न संगठनों व स्वयं-सेवकों द्वारा पौधों का निःशुल्क वितरण भी किया जाता है। इस महोत्सव के दौरान विद्यालयों, सरकारी एवं गैर-सरकारी कार्यालयों तथा अन्य स्थानों पर पेड़ों से होने वाले लाभ एवं इनके कम होने अथवा न होने के दुष्परिणामों पर लोगों को जागरूक किया जाता है। विद्यालयों में इस दौरान वनों पर चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध एवं कविता लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है।

(1) 'वन महोत्सव' किसकी रक्षा के लिए शुरु हुआ ?

(क) मानव की रक्षा के लिए (ख) देश की रक्षा के लिए

(ग) धरती माता की रक्षा के लिए (घ) बच्चों की रक्षा के लिए

(2) वन महोत्सव की शुरुआत कब की गई ?

(क) जुलाई, 1955 को

(ख) जुलाई, 1947 को

(ग) मई, 1957 में

(घ) मई, 1947 को

(3) 'वन महोत्सव' का सूत्रपात किसने किया ?

(क) नरेन्द्र मोदी जी ने

(ख) लाल बहादुर शास्त्री जी ने

(ग) जवाहरलाल नेहरु जी ने

(घ) कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने

(4) इस अवसर पर किसका निशुल्क वितरण किया जाता है ?

(क) पौधों का

(ख) पुस्तकों का

(ग) दवाइयों का

(घ) साइकिलों का

(5) 'महोत्सव' शब्द का सही संधि-विच्छेद क्या है ?

(क) महो+उत्सव

(ख) महा+उत्सव

(ग) मह+उत्सव

(घ) महा+ऊत्सव

अथवा

किसी भी समाचार पत्र का सर्वप्रथम उद्देश्य जनता को संसार के किस कोने में, कहाँ क्या हो रहा है इसका सही ज्ञान कराना होना चाहिए। जो समाचार-पत्र अपने किसी निश्चित संकुचित उद्देश्य की पूर्ति के लिए भ्रमात्मक बातों का प्रचार करके जनता को पथभ्रष्ट करते हैं, वे विश्वासघाती हैं। क्या ऐसे समाचार पत्र को देशद्रोही कहना अनुचित होगा? समाचार-पत्रों को अपने बलिष्ठ व्यक्तित्व की अच्छी प्रकार से ज्ञान होना चाहिए। यह तो वे जानते ही हैं आज के युग में जनता के जीवन को बनाने-बिगाड़ने, उठाने-बैठाने एवं उभारने दबाने में वे कितना बड़ा हाथ हाथ रखते हैं। न केवल राजनीतिक, सामाजिक दृष्टि में अपितु व्यापारिक एवं स्वास्थ्य संबंधी उद्देश्य में भी। स्वयं राष्ट्र के जीवन में समाचार पत्रों का विशिष्ट स्थान है क्योंकि जनता और सरकार के बीच में समाचार-पत्र ही तो दुभाषिए के रूप में हैं। वे सरकार की उचित-अनुचित कार्यवाहियों की आलोचना करके जनता वर्ग का पथ प्रशस्त करते हैं, जनता के मनोभावों का सही विश्लेषण उपस्थित कर सरकार को तदनुसार काम करने के लिए बाध्य करते हैं। समाचार-पत्रों के द्वारा ही जनता की राजनीतिक शक्ति एवं चेतना में वृद्धि होती है।

समाचार-पत्र वरदान के साथ-साथ अभिशाप भी सिद्ध हो सकते हैं। समाचार-पत्र अपनी किसी निश्चित संकुचित नीति के झोंके में आकर जाति-विशेष की सांप्रदायिक भावनाओं को उभारकर रक्त की नदियाँ बहवा सकते हैं और इस प्रकार सारे देश को भाग्य को अपनी मुट्ठी में ले सकते हैं तथा देश की सुख-शांति एवं समृद्धि को दूर कर सकते

हैं। दलबंदी को बढ़ावा देकर फूट के बीज बोकर अशांति एवं अमानवीय व्यवहारों को आमंत्रित कर सकते हैं।

(1) समाचार-पत्र का सबसे पहला उद्देश्य क्या है ?

(क) जनता का मनोरंजन करना

(ख) विश्व के किसी भाग में क्या घटित हो रहा है, जनता को इस बात की जानकारी देना।

(ग) जनता की राजनीतिक शक्ति को बढ़ावा देना

(घ) जनता की सांप्रदायिक भावनाओं को उभारना

(2) समाचार-पत्र सरकार और जनता के बीच किसका कार्य करते हैं ?

(क) मित्र का (ख) शत्रु का

(ग) दुभाषिए का (घ) किसी का नहीं

(3) 'देशद्रोही' शब्द में कौन-सा समास है ?

(क) तत्पुरुष (ख) बहुब्रीहि

(ग) द्वंद्व (घ) कर्मधारय

(4) जाति विशेष की सांप्रदायिक भावनाओं को उभार कर समाचार-पत्र देश का किस प्रकार अहित कर सकते हैं ?

(क) रक्त की नदियाँ बहवा सकते हैं

(ख) देश के भाग्य को अपनी मुट्ठी में ले सकते हैं

(ग) सुख-शांति एवं समृद्धि को दूर कर सकते हैं

(घ) उपरोक्त सभी

(5) इस गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक है :

(क) समाचार पत्रों की भूमिका (ख) समाचार पत्रों के लाभ

(ग) समाचार पत्रों से हानि (घ) मानवता के रक्षक

2. निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए: $1 \times 5 = 5$

नवीन कंठ दो कि मैं नवीन गान गा सकूँ,
स्वतंत्र देश की नवीन आरती सजा सकूँ!
नवीन दृष्टि का नया विधान आज हो रहा,

नवीन आसमान में विहान आज हो रहा,
खुली दसों दिशा खुले कपाट ज्योति-द्वार के
विमुक्त राष्ट्र-सूर्य भासमान आज हो रहा।
युगांत की व्यथा लिए अतीत आज रो रहा,
दिगंत में वसंत का भविष्य बीज बो रहा।
सुदीर्घ क्रांति झेल, खेल की ज्वलंत आग से
स्वदेश बल सँजो रहा, कड़ी थकान खो रहा।
प्रबुद्ध राष्ट्र की नवीन वंदना सुना सकूँ।
नवीन बीन दो कि मैं अगीत गान गा सकूँ।
नए समाज के लिए नवीन नींव पड़ चुकी,
नए मकान के लिए नवीन ईंट गढ़ चुकी,
सभी कुटुंब एक, कौन पास, कौन दूर है।
नए समाज को हरेक व्यक्ति एक नूर है।
कुलीन जो उसे नहीं गुमान या गरूर है,
समर्थ शक्तिपूर्ण जो किसान या मजूर है।

(1) कवि नई आवाज की आवश्यकता क्यों महसूस कर रहा है ?

(क) स्वतंत्र देश के लिए नए गीत गा सके

(ख) आरती सजा सके

(ग) (क) तथा (ख) दोनों

(घ) इनमें से कोई नहीं

(2) युगांत की व्यथा के लिए आज कौन रो रहा है ?

(क) भूतकाल/अतीत

(ख) वर्तमान

(ग) भविष्य

(घ) इनमें से कोई नहीं

(3) 'नए समाज का हर एक व्यक्ति एक नूर है' का क्या आशय है ?

(क) स्वतंत्र भारत का हर व्यक्ति रत्नजड़ित है

(ख) स्वतंत्र भारत का हर व्यक्ति आभूषणों से युक्त है

(ग) स्वतंत्र भारत का हर व्यक्ति भारत के विकास में योगदान देने के लिए तत्पर है

(घ) उपर्युक्त सभी

(4) 'विहान' शब्द का क्या अर्थ है?

(क) सायंकाल (ख) प्रातःकाल

(ग) अंधेरा (घ) रात्रि

(5) किसान या मजदूर की क्या विशेषता है ?

(क) मेहनती है (ख) परिश्रमी है

(ग) अनुशासित है (घ) समर्थ शक्तिपूर्ण

अथवा

लक्ष्मण-रेखा के दास तटों तक ही जाकर फिर जाते हैं,
वर्जित समुद्र में नाव लिए स्वाधीन वीर हो जाते हैं।
आजादी है अधिकार खोज की नई राह पर आने का,
आजादी है अधिकार नए द्वीपों का पता लगाने का।
रोटी उसकी, जिसका अनाज, जिसकी जमीन, जिसका श्रम है,
अब कौन उलट सकता स्वतंत्रता की सुसिद्ध, सीधा क्रम है,
आजादी है अधिकार परिश्रम का पुनीत फल पाने का,
आजादी है अधिकार शोषणों की धज्जियाँ उड़ाने का।

(1) 'लक्ष्मण-रेखा के दास' वे लोग हैं जो :

(क) प्राचीन रूढ़ियों के गुलाम होते हैं और उन्हें तोड़ने का साहस नहीं करते

(ख) जो नई दिशाओं की खोज में रहते हैं

(ग) समाज में नई क्रांति चाहते हैं

(घ) स्वतंत्रता का अधिकार चाहते हैं

(2) आजादी किसका अधिकार है ?

(क) लक्ष्मण-रेखा के दास लोगों का

(ख) जीवन के नए मार्ग खोजने वालों का

(ग) स्वतंत्रता न चाहने वाले लोगों का

(घ) पहले से ही तय मार्ग पर चलने वालों का

(3) आजादी हमें क्या-क्या अधिकार देती है ?

(क) परिश्रम का फल पाने का

(ख) शोषण की धज्जियाँ उड़ाने का

(ग) दीन-हीन को शोषण से मुक्त कराने का

(घ) उपयुक्त सभी

(4) स्वतंत्रता का सुसिद्ध वह सीधा कर्म है :

(क) मेहनत कोई करे, फल किसी और को मिले

(ख) जो परिश्रम करे, फल उसी को मिले

(ग) व्यक्ति न परिश्रम करे, न फल पाने की इच्छा रखे

(घ) गरीब व्यक्ति की मेहनत का फल, समाज के कुछ लोगों को मिले

(5) प्रस्तुत काव्यांश में कवि क्या प्रेरणा दे रहा है ?

(क) गुलामी की भावना की

(ख) कष्ट में जीवन जीने की

(ग) स्वतंत्रता का जीवन जीने की

(घ) प्राचीन रूढ़ियों में बँधकर रहने की

खंड-ख (व्यवहारिक व्याकरण) (16 अंक)

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।1×4=4

(1) वह बाजार गया और पुस्तक खरीद कर लाया। (रचना के आधार पर सही वाक्य भेद छाँटकर लिखें)

(क) सरल वाक्य (ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य (घ) संज्ञा आश्रित वाक्य

(2) मिश्र वाक्य का सही उदाहरण छाँटकर लिखें :

(क) बच्चा दौड़कर घर चला गया

(ख) जब मेरा गीत समाप्त हुआ, तो जोर-जोर से तालियाँ बज उठीं

(ग) मैंने कहानी पढ़ी और सभी हँसने लगे

(घ) वर्षा होते ही फसलें लहलहाने लगी

(3) निम्नलिखित में सरल वाक्य है :

(क) प्रातःकाल हुआ और सूरज की किरणें चमक उठीं

(ख) जब प्रातःकाल हुआ, सूरज की किरणें चमक उठीं

(ग) प्रातःकाल होते ही सूरज की किरणें चमक उठीं

(घ) जैसे ही प्रातः हुआ सूरज की किरणें चमक उठीं

(4) विनीता ने बताया कि उसका भाई बीमार है। (रेखांकित उपवाक्य का भेद है)

(क) सर्वनाम आश्रित उपवाक्य (ख) विशेषण उपवाक्य

(ग) संज्ञा आश्रित उपवाक्य (घ) क्रिया विशेषण उपवाक्य

(5) हालदार साहब का प्रश्न सुनकर वह आँखों ही आँखों में हँसा। (संयुक्त वाक्य में सही रूपांतरण छाँटकर लिखें)

(क) जैसे ही उसने हालदार साहब का प्रश्न सुना वैसे ही वह आँखों ही आँखों में हँसा।

(ख) हालदार साहब के प्रश्न को सुनकर वह आँखों में हँसा।

(ग) उसने हालदार साहब का प्रश्न सुना और वह आँखों ही आँखों में हँसा।

(घ) उसने हालदार साहब का प्रश्न सुना और वह आँखों ही आँखों में हँसने लगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए।

$1x4 = 4$

(1) चिड़िया पेड़ पर चहचहा रही है। (वाच्य का सही भेद छाँटकर लिखें)

(क) भाववाच्य (ख) कर्तृवाच्य

(ग) कर्मवाच्य (घ) कोई अन्य

(2) निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य का उदाहरण छाँटकर लिखें :

(क) जगदीश द्वारा बहुत सुंदर राग गाए जाते हैं।

(ख) यह पुस्तक किसके द्वारा लिखी गई है?

(ग) उनके द्वारा इस मामले की पूरी जाँच नहीं की गई।

(घ) रवि बाजार गया।

(3) मैंने भ्रष्टाचार पर निबंध लिखा। (कर्मवाच्य का सही रूपांतरण छाँटकर लिखिए)

(क) मेरे द्वारा भ्रष्टाचार पर निबंध लिखा गया।

(ख) मेरे द्वारा भ्रष्टाचार पर निबंध लिखा जाएगा।

(ग) मैं भ्रष्टाचार पर निबंध लिखूँगा।

(घ) मुझसे भ्रष्टाचार पर निबंध लिखवाया गया।

(4) निम्नलिखित में से उचित भाववाच्य छाँटकर लिखिए।

(क) छात्रों ने सामूहिक गान प्रस्तुत किया।

(ख) कविता द्वारा प्रतियोगिता में भाग लिया गया।

(ग) मैं इस धूप में नहीं चल सकता।

(घ) चोट लगने के कारण उससे चला नहीं जाता।

(5) निम्नलिखित वाक्यों में कर्तृवाच्य का सही उदाहरण कौन-सा है?

(क) विशाल पतंग नहीं उड़ा रहा है।

(ख) हमारे द्वारा बाजार नहीं जाया जा रहा है।

(ग) कछुए से दौड़ा नहीं जाता है।

(घ) अमन द्वारा उद्घाटन किया गया।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं <u>चार</u> प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए। 1×4=4

(1) <u>भूषण</u> वीर रस के कवि थे। रेखांकित पद का उचित परिचय छाँटकर लिखिए।

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, क्रिया का कर्ता

(ख) भाववाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, क्रिया का कर्ता

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्म कारक

(2) यह <u>कविता का</u> घर है। रेखांकित पद का उचित परिचय छाँटकर लिखिए।

(क) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्मकारक

(ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक

(घ) जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(3) यह मेरा घर है। रेखांकित पद का उचित परिचय छाँटकर लिखिए।

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक

(ख) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, 'घर' विशेष्य

(ग) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'घर' विशेष्य

(घ) अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(4) जल्दी चलो वरना गाड़ी छूट जाएगी। रेखांकित पद का उचित परिचय छाँटकर लिखिए।

(क) क्रिया विशेषण रीतिवाचक, 'चलो' क्रिया की विशेषता

(ख) क्रिया विशेषण, समयसूचक, 'चलो' क्रिया की विशेषता

(ग) प्रेरणार्थक क्रिया, एकवचन, पुल्लिग, 'चलो' क्रिया की विशेषता

(घ) इनमें से कोई नहीं

(5) वह कौन-सा विद्यार्थी है जो घर आया। रेखांकित पद का उचित परिचय छाँटकर लिखिए।

(क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक

(ख) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, 'घर' विशेष्य

(ग) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, 'घर' विशेष्य

(घ) क्रिया, सकर्मक, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए। 1×4=4

(1) 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है :

(क) शांत रस (ख) रौद्र रस

(ग) वीभत्स रस (घ) करुण रस

(2) उस काल मारे क्रोध के, तनु काँपने उनका लगा।
मानो हवा के वेग से सोता हुआ सागर जगा।।
काव्य-पंक्तियों में निहित रस का सही विकल्प छाँटकर लिखें :

(क) करुण रस (ख) वात्सल्य रस

(ग) भयानक रस (घ) रौद्र रस

(3) विभाव, अनुभाव, संचारी भाव के संयोग से 'उत्साह' स्थायी भाव की जिस रस में परिणति होती है, उसे कौन-सा रस कहते हैं?

(क) वीर रस (ख) भयानक रस

(ग) रौद्र रस (घ) वीभत्स रस

(4) अबला जीवन हाय तुम्हारी यही कहानी।

आँचल में दूध और आँखों में पानी।।

काव्य-पक्तियों में रस का सही विकल्प छाँटकर लिखें।

(क) भयानक रस (ख) करुण रस

(ग) वात्सल्य रस (घ) श्रृंगार रस

(5) रस के कितने अंग होते हैं ?

(क) 2 (ख) 3

(ग) 4 (घ) 5

खंड-ग

पाठ्य-पुस्तक

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए। $1\times5=5$

खेतीबारी करते, परिवार रखते भी, बालगोबिन भगत साधु थे—साधु की सब परिभाषाओं में खरे उतरने वाले। कबीर को 'साहब' मानते थे, उन्हीं के गीतों को गाते, उन्हीं के आदेशों पर चलते। कभी झूठ नहीं बोलते, खरा व्यवहार रखते। किसी से भी दो-टूक बात करने में संकोच नहीं करते, न किसी से खामखाह झगड़ा मोल लेते। किसी की चीज़ नहीं छूते, न बिना पूछे व्यवहार में लाते। इस नियम को कभी-कभी इतनी बारीकी तक ले जाते कि लोगों को कुतूहल होता! कभी वह दूसरे के खेत में शौच के लिए भी नहीं बैठते। वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज 'साहब' की थी। जो कुछ खेत में पैदा होता, सिर पर लादकर पहले उसे 'साहब' के दरबार में ले जाते जो उनके घर से चार कोस दूर पर था—एक कबीरपंथी मठ से मतलब! वह दरबार में 'भेंट' रूप में रख लिया जाता। 'प्रसाद' रूप में जो उन्हें मिलता, उसे घर ले आते और उसी से गुजर चलाते!

(1) लेखक ने बालगोबिन भगत को साधु क्यों कहा है?

(क) वे साधु के समान दिखते थे।

(ख) वे मोह माया से दूर थे।

(ग) वे सच्चे साधुओं जैसा ही उत्तम आचार-विचार रखते थे।

(घ) वे किसी से झगड़ा नहीं करते थे।

(2) बालगोबिन भगत का कौन-सा कार्य-व्यवहार लोगों के आश्चर्य का विषय था?

(क) जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों का गहराई से अपने आचरण में पालन करना।

(ख) गीत गाते रहना।

(ग) किसी से झगड़ा न करना।

(घ) अपना काम स्वयं करना।

(3) बालगोबिन भगत कबीर के आदर्शों पर चलते थे क्योंकि :

(क) कबीर भगवान का रूप थे।

(ख) वे कबीर की विचारधारा से प्रभावित थे।

(ग) कबीर उनके गाँव के मुखिया थे।

(घ) कबीर उनके मित्र थे।

(4) बालगोबिन भगत के खेत में जो कुछ पैदा होता, उसे वे सर्वप्रथम किसे भेंट कर देते?

(क) गरीबों को (ख) मंदिर में

(ग) घर में (घ) कबीरपंथी मठ में

(5) 'वह गृहस्थ थे; लेकिन उनकी सब चीज़ 'साहब' की थी।' यहाँ 'साहब' से क्या आशय है ?

(क) गुरु (ख) मुखिया

(ग) कबीर (घ) भगवान

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प को चुनिए : 1+1=2

(1) 'नेता जी का चश्मा' कहानी में कैप्टन कौन था ?

(क) हालदार साहब (ख) पानवाला

(ग) चश्में बेचने वाला (घ) अध्यापक

(2) बालगोबिन भगत के गीतों में कौन-सा भाव व्यक्त होता था ?

(क) श्रृंगार का भाव (ख) विरह का भाव

(ग) ईश्वर भक्ति का भाव (घ) वैराग्य का भाव

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए: 1×5=5

नाथ संभुधनु भंजनिहारा। होइहि केउ एक दास तुम्हारा।।
आयेसु काह कहिअ किन मोही। सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही।।
सेवकु सो जो करै सेवकाई। अरिकरनी करि करिअ लराई।।
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा। सहसबहु सम सो रिपु मोरा।।

सो बिलगाउ बिहाइ समाजा। न त मारे जैहहिं सब राजा।।
सुनि मुनि वचन लखन मुसुकाने। बोले परसुधरहि अवमाने।
बहु धनुही तोरी लरिकाई। कबहूँ न असि रिस कीन्हि गोसाईं।।
येहि धनु पर ममता केहि हेतु! सुनि रिसाइ कह भृगुकुलकेतु।।

(1) 'नाथ' शब्द से किसे संबोधित किया गया है ?

(क) श्रीराम को (ख) परशुराम को

(ग) लक्ष्मण को (घ) विश्वामित्र को

(2) शिव-धनुष को तोड़ने वाले को परशुराम क्या कह रहे हैं ?

(क) सभा में उपस्थित होने के लिए (ख) लड़ाई करने के लिए

(ग) समाज से अलग होने के लिए (घ) घर जाने के लिए

(3) मुनि के वचन सुनकर कौन मुस्कुराने लगे ?

(क) महर्षि विश्वामित्र (ख) श्रीराम

(ग) गुरु वशिष्ठ (घ) लक्ष्मण

(4) 'बहु धनुही तोरी लरिकाई, कबहूँ न असि रिस कीन्हि गोसाई।' यह कथन किसका है?

(क) लक्ष्मण का (ख) महर्षि विश्वामित्र का

(ग) श्रीराम का (घ) परशुराम का

(5) प्रस्तुत काव्यांश कौन-सी भाषा में है ?

(क) मैथिली (ख) अवधी

(ग) ब्रज भाषा (घ) खड़ी बोली

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए सही विकल्प को चुनिए : 1+1=2

(1) गोपियाँ 'कड़वी ककड़ी' किसे कहते हैं ?

(क) ककड़ी को (ख) श्रीकृष्ण को

(ग) उद्धव द्वारा दिए गए योग सदेश को (घ) यशोदा को

(2) तुलसीदास ने 'कौशिक' शब्द किसके लिए प्रयुक्त किया है?

(क) परशुराम के लिए (ख) राजा जनक के लिए

(ग) विश्वामित्र के लिए (घ) गुरु वशिष्ठ के लिए

आदर्श प्रश्न पत्र-5 (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट | पूर्णांक : 40

सामान्य-निर्देश :

1. इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं–क, ख और ग।
2. इस प्रश्न पत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. खंड-क में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 10 प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।
4. खंड-ख में कुल 20 प्रश्न पूछे गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए केवल 16 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
5. खंड-ग में कुल 14 प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खंड-क (अपठित गद्यांश) (10 अंक)

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

लोकतंत्र के मूलभूत तत्त्व को समझा नहीं गया है और इसलिए लोग समझते हैं कि सब कुछ सरकार कर देगी, हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है। लोगों में अपनी पहल से जिम्मेदारी उठाने और निभाने का संस्कार विकसित नहीं हो पाया है। फलस्वरूप देश की विशाल मानव-शक्ति अभी खर्राटे लेती पड़ी है और देश की पूँजी उपयोगी बनाने के बदले आज बोझरूप बन बैठी है। लेकिन उसे नींद से झकझोर कर जागृत करना है। किसी भी देश को महान् बनाते हैं, उसमें रहने वाले लोग। लेकिन अभी हमारे देश के नागरिक अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं। चाहे सड़क पर चलने की बात हो अथवा साफ़-सफाई की बातें हों, जहाँ-तहाँ हम लोगों को गंदगी फैलाते और बेतरतीब ढंग से वाहन चलाते देख सकते हैं। फिर चाहते हैं कि सब कुछ सरकार ठीक कर दे। सरकार ने बहुत सारे कार्य किए हैं, इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ खोली हैं, विशाल बाँध बनवाए हैं, फौलाद के कारखाने खोले हैं आदि-आदि बहुत सारे काम सरकार के द्वारा हुए हैं। पर अभी करोड़ों लोगों को कार्य में प्रेरित नहीं किया जा सका है। वास्तव में होना तो यह चाहिए कि लोग अपनी सूझ-बूझ के साथ अपनी आंतरिक शक्ति के बल पर खड़े हों और अपने पास जो कुछ साधन-सामग्री हो, उसे लेकर कुछ करना

शुरु कर दें। और फिर सरकार उसमें आवश्यक मदद करें। उदाहरण के लिए, गाँव वाले बड़ी-बड़ी पंचवर्षीय योजनाएँ नहीं समझ सकेंगे, पर वे लोग यह बात जरूर समझ सकेंगे कि अपने गाँव में कहाँ कुआँ चाहिए, कहाँ सिंचाई की जरूरत है, कहाँ पुल की आवश्यकता है। बाहर के लोग इन सब बातों से अनभिज्ञ होते हैं।

(1) लोकतंत्र का मूलभूत तत्त्व है

(क) कर्तव्य-पालन (ख) लोगों का राज्य

(ग) चुनाव (घ) जनमत

(2) किसी देश की महानता निर्भर करती है :

(क) वहाँ की सरकार पर (ख) वहाँ के निवासियों पर

(ग) वहाँ के इतिहास पर (घ) वहाँ की पूँजी पर

(3) सरकार के कामों के बारे में कौन-सा कथन सही नहीं है ?

(क) वैज्ञानिक प्रयोगशालाएँ बनवाई हैं।

(ख) विशाल बाँध बनवाए हैं।

(ग) वाहन चालकों को सुधारा है।

(घ) फौलाद के कारखाने खोले हैं।

(4) सरकारी व्यवस्था में किस कमी की ओर लेखक ने संकेत किया है?

(क) गाँव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारना

(ख) योजनाएँ ठीक से न बनाना।

(ग) आधुनिक जानकारी का अभाव।

(घ) जमीन से जुड़ी समस्याओं की ओर ध्यान न देना।

(5) 'झकझोरकर जागृत करना' का भाव गद्यांश के अनुसार होगा :

(क) नींद से जगाना (ख) सोने न देना

(ग) जिम्मेदारी निभाना (घ) जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना

अथवा

उन्नीसवीं शताब्दी से पहले, मानव और पशु दोनों की आबादी भोजन की उपलब्धता तथा प्राकृतिक विपदाओं आदि के कारण सीमित रहती थी। कालांतर में जब औद्योगिक क्रांति

के कारण मानव सभ्यता की समृद्धि में भारी वृद्धि हुई तब उसके परिणामस्वरूप कई पश्चिमी देश ऐसी बाधाओं से लगभग अनिवार्य रूप से मुक्त हो गए। इससे वैज्ञानिकों ने अंदाजा लगाया कि अब मानव जनसंख्या विस्फोट रूप से बढ़ सकती है। परंतु इन देशों में परिवारों का औसत आकार घटने लगा था और जल्दी ही समृद्धि और प्रजनन के बीच एक उलटा संबंध प्रकाश में आ गया था। जीव विज्ञानियों ने मानव समाज की तुलना जानवरों की दुनिया से कर इस संबंध को समझाने की कोशिश की और कहा कि ऐसे जानवर जिनके अधिक बच्चे होते हैं, वे अधिकतर प्रतिकूल वातावरण में रहते हैं और ये वातावरण प्रायः उनके लिए प्राकृतिक खतरों से भरे रहते हैं।

चूँकि इनकी संतानों के जीवित रहने की संभावना कम होती है, इसलिए कई संतानें पैदा करने से यह संभावना बढ़ जाती है कि उनमें से कम से कम एक या दो जीवित रहेंगी। इसके विपरीत, जिन जानवरों के बच्चे कम होते हैं, वे स्थिर और अनुकूल वातावरण में रहते हैं। ठीक इसी प्रकार यदि समृद्ध वातावरण में रहने वाले लोग केवल कुछ ही बच्चे पैदा करते हैं, तो उनके ये कम बच्चे उन बच्चों को पछाड़ देंगे, जिनके परिवार इतने समृद्ध नहीं थे तथा इनकी आपस की प्रतिस्पर्धा भी कम होगी। इस सिद्धांत के आलोचकों का तर्क है कि पशु और मानव व्यवहार की तुलना नहीं की जा सकती है।

वे इसके बजाए यह तर्क देते हैं कि सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन इस घटना को समझाने के लिए पर्याप्त हैं। श्रम-आश्रित परिवारों में बच्चों की बड़ी संख्या एक वरदान के समान होती है। वे जल्दी काम कर परिवार की आय बढ़ाते है। जैसे-जैसे समाज समृद्ध होता जाता है, वैसे-वैसे बच्चे जीवन के लगभग पहले 25-30 सालों तक शिक्षा ग्रहण करते हैं। जीवन के प्रारंभिक वर्षों में उर्वरता अधिक होती है तथा देर से विवाह के कारण संतानों की संख्या कम हो जाने की संभावना बनी रहती है।

(1) निम्नलिखित में से कौन-सा ऊपर लिखित पाठ्यांश का प्राथमिक उद्देश्य है?

(क) मानव परिवारों के आकार के संबंध में दिए उस स्पष्टीकरण की आलोचना जो पूरी तरह से जानवरों की दुनिया से ली गई टिप्पणियों पर आधारित है।

(ख) औद्योगिक क्रांति के बाद अपेक्षित जनसंख्या विस्फोट न होने के कारणों की विवेचना।

(ग) औद्योगिक क्रांति से पहले और बाद में पर्यावरणीय प्रतिबंधों और सामाजिक दृष्टिकोणों से परिवार का आकार कैसे प्रभावित हुआ का अंतर्संबंध दर्शाना।

(घ) परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है। इस तथ्य को समझने के लिए दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना।

(2) गद्यांश के अनुसार निम्नलिखित में से कौन-सा जनसंख्या विस्फोट के विषय में सत्य है?

(क) पश्चिमी देशों में इसलिए नहीं हुआ, क्योंकि औद्योगिकरण से प्राप्त समृद्धि ने परिवारों को बच्चों की शिक्षा की विस्तारित अवधि को वहन करने का सामर्थ्य प्रदान किया था।

(ख) यह घटना विश्व के उन क्षेत्रों तक सीमित है, जहाँ औद्योगिक क्रांति नहीं हुई है।

(ग) श्रम आधारित अर्थव्यवस्था में केवल उद्योग के आधार पर ही परिवार का आकार निर्भर रहता है।

(घ) इसकी भविष्यवाणी पश्चिमी देशों में औद्योगिक क्रांति के समय वैज्ञानिकों द्वारा की गई थी।

(3) अंतिम अनुच्छेद निम्नलिखित में से कौन-सा कार्य करता है ?

(क) यह पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है।

(ख) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत स्पष्टीकरण की आलोचना करता है।

(ग) यह वर्णन करता है कि समाज के समृद्ध होने के साथ सामाजिक दृष्टिकोण कैसे बदलते हैं।

(घ) यह दूसरे अनुच्छेद में प्रस्तुत घटना की व्याख्या करता है।

(4) पाठ्यांश में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख औद्योगिकरण देशों में औसत परिवार का आकार हाल ही में गिरने के एक संभावित कारण के रूप में नहीं किया गया है।

(क) शिक्षा की विस्तारित अवधि।

(ख) पहले की अपेक्षा देरी से विवाह करना।

(ग) बदला हुआ सामाजिक दृष्टिकोण।

(घ) औद्योगिकरण अर्थव्यवस्थाओं में मजदूरों की बढ़ती माँग।

(5) पाठ्यांश में दी गई कौन-सी जानकारी बताती है कि निम्नलिखित में से किस जानवर के कई बच्चे होने की संभावना है ?

(क) एक विशाल शाकाहारी जो घास के मैदानों में रहता है और अपनी संतानों की भरसक सुरक्षा करता है।

(ख) एक सर्वभक्षी, जिसकी आबादी कई छोटे द्वीपों तक सीमित है और जिसे मानव अतिक्रमण से खतरा है।

(ग) एक मांसाहारी जिसका कोई प्राकृतिक शिकारी नहीं है, लेकिन उसे भोजन की आपूर्ति बनाए रखने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

(घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है।

2. नीचे दो अपठित पद्यांश दिए गए हैं। किसी एक पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ।
तुम मत मेरी मंजिल आसान करो
हैं फूल रोकते, काटें मुझे चलाते
मरुस्थल, पहाड़ चलने की चाह बढ़ाते
सच कहता हूँ जब मुश्किलें ना होती हैं
मेरे पग तब चलने में भी शर्माते।
मेरे संग चलने लगे हवायें जिससे
तुम पथ के कण-कण तो तूफान करो
मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ
तुम मत मेरी मंजिल आसान करो।
फूलों से जग आसान नहीं होता है
रुकने से पग गतिवान नहीं होता है
अवरोध नहीं तो संभव नहीं प्रगति भी
है नाश जहाँ निर्माण वहीं होता है।
मैं ठुकरा सकूँ तुम्हें भी हंसकर जिससे,
तुम मेरा मन-मानव पाषाण करो
मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ,
तुम मत मेरी मंजिल आसान करो।
मैं बसा सकूँ नव स्वर्ग धरा पर जिससे
तुम मेरी हर बस्ती वीरान करो।

(1) कवि को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है :

(क) मंजिल से (ख) मार्ग-बाधाओं से

(ग) हवाओं से (घ) तूफानों से

(2) यदि मार्ग में बाधाएँ नहीं आतीं तो :

(क) गति संभव नहीं होता (ख) निर्माण संभव नहीं होता

(ग) प्रगति संभव नहीं होता (घ) मार्ग आसान नहीं होता

(3) निर्माण की संभावना वहीं होती है जहाँ :

(क) तूफान न आए (ख) अवरोध न आए

(ग) बस्ती न हो (घ) विनाश हो

(4) कवि धरती पर क्या बसाना चाहता है ?

(क) अपना घर (ख) स्वर्ग

(ग) मंजिलें (घ) रास्ते

(5) कवि दुनिया से क्या प्रार्थना कर रहा है ?

(क) दुनिया उसके रास्तों पर फूल बिछा दे

(ख) दुनिया उसकी बस्ती को वीरान बना दे

(ग) दुनिया उसकी राह में तूफान उठा दे

(घ) दुनिया उसके मार्ग को आसान न बना

अथवा

भोर हुई पेड़ों की बीन बोलने लगी,
पात-पात हिले डाल-डाल डोलने लगी।
कहीं दूर किरणों के तार झनझाना उठे,
सपनों के स्वर डूबे धरती के गान में।
लाखों ही लाख दीए तारों के खो गए,
पूरब के अधरों की हल्की मुस्कान में।
कुछ ऐसे पूरब के गाँव की हवा चली,
खपैरलों की दुनिया आँख खोलने लगी।
जमे हुए धुएँ-सी पहाड़ी है दूर की,
काजल की रेखा-सी कतार है खजूर की।
सोने का कलश लिए उषा चली आ रही है,

माथे पर दमक रही आभा सिंदूर की।
धरती को परियों के सपनीले प्यार में,
नई चेतना नई उमंग बोलने लगी।
कुछ ऐसे भोर की बयार गुनगुना उठी,
अलसाए कुहरे की बाँह सिमटने लगी।
नरम-नरम किरणों की नई धूप में,
राहों के पेड़ों की छाँह लिपटने लगी।
लहराई माटी की धुली-धुली चेतना,
फसलों पर चुहचुहिया पाँख बोलने लगी।

(1) कवि ने किस समय का चित्रण किया है ?

(क) प्रातःकाल (ख) संध्या
(ग) दोपहर (घ) रात्रि

(2) दीए किसके हैं ?

(क) जुगनुओं के (ख) माटी के
(ग) तारों के (घ) पीतल के

(3) दूर की पहाड़ी कैसी दिखाई दे रही है ?

(क) अस्पष्ट (ख) जमे हुए दही-सी
(ग) धुंधली (घ) जमे हुए धुएँ-सी

(4) सोने का कलश क्या है ?

(क) सूर्य (ख) तारे
(ग) चंद्रमा (घ) बादल

(5) भोर की बयार के गुनगुनाने का परिणाम क्या हुआ?

(क) चुहचुहिया पाँख खोलने लगी
(ख) राहों के पेड़ों की चाह लिपटने लगी
(ग) अलसाए कुहरे की बाँह सिमटने लगी
(घ) माटी में चेतना आ गई

खंड-ख (व्याकरण) (16 अंक)

3. निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए। $1 \times 4 = 4$

(1) 'वह बाज़ार गया और उसने फल खरीदे।' किस प्रकार का वाक्य है ?

(क) सरल वाक्य (ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य (घ) संकेतवाचक वाक्य

(2) मिश्रित वाक्य है :

(क) मैंने उससे रोने का कारण पूछा।

(ख) आज रविवार का अवकाश है।

(ग) जब पिताजी ने पैसे दिए तब हम बाज़ार गए।

(घ) मैं बाहर आया और बच्चे मिलने लगे।

(3) <u>जो परिश्रम करते हैं</u>, वही सफल होते हैं। रेखांकित उपवाक्य है :

(क) संज्ञा उपवाक्य (ख) सर्वनाम उपवाक्य

(ग) विशेषण उपवाक्य (घ) क्रियाविशेषण उपवाक्य

(4) 'देश की सेवा करने वाले नेताओं की कमी नहीं है।' रचना के आधार पर वाक्य भेद है :

(क) संयुक्त वाक्य (ख) मिश्रित वाक्य

(ग) सरल वाक्य (घ) निषेधात्मक वाक्य

(5) 'जो धन मिला था, वह चोरी हो गया।' वाक्य में प्रधान उपवाक्य है :

(क) जो धन मिला था (ख) वह चोरी हो गया

(ग) चोरी हो गया (घ) धन मिला था

4. निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए। $1 \times 4 = 4$

(1) 'मुझसे पत्र नहीं लिखा गया।' वाच्य का कर्तृवाच्य है :

(क) मैंने पत्र नहीं लिखा (ख) मैंने पत्र नहीं लिखा था

(ग) मैं पत्र नहीं लिखता (घ) मैं पत्र नहीं लिख सकता

(2) भाववाच्य है :

(क) माली ने फूल तोड़ा

(ख) आइए, खेला जाए

(ग) अनुराधा के द्वारा पौधे लगाए गए

(घ) राम ने लीची खाई

(3) तुलसीदास द्वारा 'रामचरितमानस' लिखी गई। वाच्य है :

(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) कोई नहीं

(4) भाववाच्य है

(क) पक्षी आकाश में उड़ते हैं (ख) बच्चा खूब रोया

(ग) मुझसे बैठा नहीं जाता (घ) सिपाही द्वारा चोर पकड़ा गया

(5) 'कविता के द्वारा सितार बजाया गया।' वाच्य है :

(क) कर्तृवाच्य (ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य (घ) कोई नहीं

5. निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए।

$1 \times 4 = 4$

(1) <u>माँ</u> बच्चों की रक्षा करती है। रेखांकित का पद-परिचय है :

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ग) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(घ) भाववाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(2) रवि <u>उधर</u> भागा है। इस वाक्य में रेखांकित का पद-परिचय है :

(क) रीतिवाचक क्रिया विशेषण, भागना क्रिया का क्रिया विशेषण

(ख) कालवाचक क्रियाविशेषण, भागना क्रिया का क्रिया विशेषण

(ग) परिमाणवाचक क्रिया विशेषण, भागना क्रिया का क्रिया विशेषण

(घ) स्थानवाचक क्रिया विशेषण, भागना क्रिया का क्रिया विशेषण

(3) शाबाश! तुमने अच्छा काम किया है। रेखांकित का पद-परिचय है

(क) संबंधबोधक अव्यय, हर्षसूचक (ख) समुच्यबोधक अव्यय, हर्षसूचक

(ग) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक (घ) इनमें से कोई नहीं

(4) मैं लाल रंग की पतंग उड़ता हूँ। रेखांकित का पद-परिचय है :

(क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्त्ता कारक

(ख) निजवाचक सर्वनाम, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक

(ग) निश्चयवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

(घ) इनमें से कोई नहीं

(5) विद्यार्थी पत्र लिख रहा है। रेखांकित का पद-परिचय है :

(क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक

(ख) जातिवाचक संज्ञा पुल्लिंग, एकवचन, कर्म कारक

(ग) सकर्मक क्रिया, व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिंग

(घ) व्यक्तिवाचक संज्ञा, बहुवचन, कर्ता कारक

6. निम्नलिखित प्रश्नों को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए। $1 \times 4 = 4$

(1) संचारी भाव क्या है ?

(क) पात्रों या वस्तुओं के कारण उत्पन्न भाव

(ख) स्थायी भाव जाग्रत करने वाला भाव

(ग) मन में निरंतर संचारित होने वाले भाव

(घ) आलंबन द्वारा जाग्रत भाव

(2) शोक किस रस का स्थायी भाव है ?

(क) वीभत्स (ख) करुण

(ग) हास्य (घ) वीर

(3) किस रस को रसराज कहा जाता है ?

(क) शांत रस (ख) करुण रस

(ग) शृंगार रस (घ) हास्य रस

(4) संकट में वीर घबराते नहीं, आपदाएँ देख छिप जाते नहीं। लग गए जिस काम में पूरा किया, काम करके व्यर्थ पछताते नहीं। पंक्तियों में निहित रस है :

(क) हास्य रस (ख) वीर रस

(ग) श्रृंगार रस (घ) अद्भुत रस

(5) निम्नलिखित पंक्तियों में रस है :

नाक पकौड़ा-सी लगे, रंग-बिरंगे गाल।

सूरत है लंगूर-सी, बंदर जैसी चाल।

(क) हास्य रस (ख) वीर रस

(ग) श्रृंगार रस (घ) करुण रस

खंड-ग (पाठ्य पुस्तक) (14 अंक)

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए। $1 \times 5 = 5$

इन सबके ऊपर, मैं तो मुग्ध था उनके मधुर गान पर जो सदा सर्वदा ही सुनने को मिलते। कबीर के सीधे-सादे पद, जो उनके कंठ से निकलकर सजीव हो उठते। आषाढ़ की रिमझिम है। समूचा गाँव खेतों में उतर पड़ा है। कहीं हल चल रहे हैं; कहीं रोपनी हो रही है। धान के पानी-भरे खेतों में बच्चे उछल रहे हैं। औरतें कलेवा लेकर मेड़ पर बैठी हैं। आसमान बादल से घिरा; धूप का नाम नहीं। ठंडी पुरवाई चल रही।

ऐसे ही समय आपके कानों में एक स्वर-तरंग झंकार-सी कर उठी। यह क्या है—यह कौन है। यह पूछना न पड़ेगा। बालगोबिन भगत समूचा शरीर कीचड़ में लिथड़े, अपने खेत में रोपनी कर रहे हैं। उनकी अंगुली एक-एक धान के पौधे को पंक्तिबद्ध, खेत में बिठा रही है।

उनकी कंठ एक-एक शब्द को संगीत के जीने पर चढ़ाकर कुछ को ऊपर, स्वर्ग की ओर भेज रहा है और कुछ को इस पृथ्वी की मिट्टी पर खड़े लोगों के कानों की ओर! बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं; मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं, वे गुनगुनाते लगती हैं, हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं, रोपनी करनेवालों की अंगुलियाँ एक अजीब क्रम से चलने लगती हैं! बालगोबिन भगत का यह संगीत है जादू!

(1) लेखक भगत के किस गुण पर मुग्ध था ?

(क) मधुर गान पर (ख) उनके भोलेपन पर

(ग) सरल हृदय पर (घ) इनमें से कोई नहीं

(2) खेतों में बच्चे क्या कर रहे थे ?

(क) बच्चे उछल रहे थे (ख) गा और नाच रहे थे

(ग) खेत में धान रोप रहे थे (घ) इनमें से कोई नहीं

(3) बालगोबिन भगत के गीतों का लोगों पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(क) बच्चे खेलते हुए झूम उठते हैं

(ख) मेड़ पर खड़ी औरतों के होंठ काँप उठते हैं

(ग) हलवाहों के पैर ताल से उठने लगते हैं

(घ) उपर्युक्त सभी

(4) आषाढ़ में खेतों में क्या चल रहा था ?

(क) कहीं हल चल रहे हैं (ख) कहीं रोपनी हो रही है

(ग) दोनों सही (घ) दोनों गलत

(5) हिंदी के किस महीने के नाम का उल्लेख उपर्युक्त गद्यांश में किया गया है?

(क) सावन (ख) जेठ

(ग) आषाढ़ (घ) फागुन

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए : 1+1=2

(1) 'नेताजी का चश्मा' कहानी में कैप्टन कौन था ?

(क) हालदार साहब (ख) पानवाला

(ग) चश्में बेचने वाला (घ) अध्यापक

(2) बालगोबिन भगत किसे अपना आदर्श मानते थे ?

(क) सूरदास (ख) कबीरदास

(ग) रैदास (घ) मलूकदास

9. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए। $1 \times 5 = 5$

मन की मन ही माँझ रही।
कहिए जाइ कौन पै ऊधौ, नाहीं परत कही।
अवधि अधार आस आवन की, तन मन बिथा सही।

अब इन जोग सँदेसनि सुनि-सुनि, बिरहिनि बिरह दही।
चाहति हुती गुहारि जितहिं तैं, उत तैं धार बही।
'सूरदास' अब धीर धरहिं क्यौं, मरजादा न लही।

(1) गोपियाँ अपनी मन की व्यथा को क्यों नहीं कह पा रही हैं ?

(क) गोपियाँ श्रीकृष्ण के प्रेम-विरह में इतनी व्याकुल हैं कि अपने मन की बात भी करना नहीं चाहती हैं।

(ख) गोपिकाओं को अब तक ऐसा कोई नहीं मिला, जिससे वे अपने मन की व्यथा कह सकें।

(ग) श्रीकृष्ण के वियोग में गोपिकाएँ तन-मन से बहुत व्यथित हैं।

(घ) दिए गए विकल्पों के सभी उत्तर सही हैं।

(2) गोपियों का धैर्य क्यों टूटने लगा ?

(क) उन्हें विश्वास था कि श्रीकृष्ण उनसे मिलने जरूर आएँगे, लेकिन श्रीकृष्ण नहीं आए।

(ख) श्रीकृष्ण ने उद्धव को योग-साधना सिखाने के लिए गोपियों के पास भेजा।

(ग) दोनों विकल्प सही हैं।

(घ) दोनों विकल्प गलत हैं।

(3) गोपियों के पास उद्धव किसका संदेश लेकर आए थे ?

(क) मथुरा के राजा कंस का

(ख) गोकुल के सरपंच का

(ग) श्रीकृष्ण जी का

(घ) दिए गए विकल्पों का सभी उत्तर गलत है।

(4) किस मर्यादा के उल्लंघन की बात गोपियाँ उद्धव से कह रही हैं?

(क) कृष्ण के द्वारा प्रेम की मर्यादा का

(ख) उद्धव के उपदेश देने की मर्यादा के बारे में

(ग) गोपियों के प्रेम की मर्यादा के बारे में

(घ) दिए गए विकल्पों के सभी उत्तर सही हैं।

(5) 'बिरहिनि' का अर्थ है :

(क) वियोग में जीने वाली महिला

(ख) गायिका

(ग) एक तरह का गीत

(घ) उपर्युक्त सभी

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विकल्पों में से चुनकर लिखिए : 1+1=2

(1) गोपियों ने योग संदेश किसके लिए उपयोगी बताया है ?

(क) जिनका मन चकरी के समान हैं (ख) जिनका मन शांत है

(ग) जो कृष्ण के प्रेम में डूबा है (घ) कोई नहीं

(2) सहस्रबाहु की भुजाओं को किसने काट डाला था ?

(क) लक्ष्मण ने (ख) परशुराम ने

(ग) विष्णु ने (घ) शिव ने

आदर्श प्रश्न-पत्र-1

अंक योजना (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट | पूर्णांक : 40

1. अपठित गद्यांश $1 \times 5 = 5$
   1. (घ) परिश्रम सफलता का आधार
   2. (घ) भाग्यवादी होना
   3. (ग) बुद्धि और विवेक
   4. (ग) परिश्रम के साथ
   5. (क) वह विश्वयुद्ध में हार गया था

अथवा

(i) (ग) (ii) (क)

(iii) (ग) (iv) (ख)

(v) (घ)

2. अपठित काव्यांश $1 \times 5 = 5$
   1. (ग) भारत माता
   2. (ग) पहाड़
   3. (ग) जब तक हम अशक्त रहते हैं
   4. (घ) तन, मन, धन
   5. (क) रूपक

अथवा

(i) (ग) (ii) (घ)

(iii) (ग) (iv) (क)

(v) (घ)

3. प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है $1 \times 16 = 16$
   1. (क) सरल वाक्य 2. (ख) संयुक्त

3. (ग) मिश्र

4. (क) सरल

5. (क) संज्ञा

4. 1. (ग) कर्तृवाच्य

2. (ख) भाव वाच्य

3. (ख) 3

4. (ग) कर्तृवाच्य

5. (घ) संज्ञा वाच्य

5. 1. (क) संज्ञा, व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग एकवचन

2. (ख) व्यक्तिवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक

3. (ग) विशेषण, संख्यावाचक, क्रमसूचक, स्त्रीलिंग, एकवचन कक्षा विशेष्य

4. (ख) अव्यय, विस्मयदिबोधक, हर्ष सूचक

5. (ग) व्यक्तिवाचक, पुल्लिंग, एकवचन कर्ता कारक

6. 1. (ख) वीर

2. (घ) श्रृंगार

3. (ग) 4

4. (ग) संचारी

5. (घ) श्रृंगार

7. **सभी प्रश्न एक अंक के हैं** $1 \times 5 = 5$

1. (क) नेताजी का चश्मा

2. (ग) सुभाष चंद्र बोस

3. (ख) द्विगु

4. (क) चश्मेवाला

5. (ग) स्वयं प्रकाश

8. **सभी प्रश्न एक अंक के हैं** $1 \times 2 = 2$

1. (क) पतोहू का पुनर्विवाह करवाना

2. (घ) उसकी खुद की कोई दुकान नहीं थी

9. **सभी प्रश्न एक अंक के हैं** $1 \times 5 = 5$

1. (ग) श्रीकृष्ण स्वयं मिलने न आकर उद्धव के हाथों संदेश भिजवाया था इसलिए

2. (ग) श्रीकृष्ण के योग संदेश को सुनकर

3. (क) श्री कृष्ण के

4. (क) जो प्रजा को परेशान न करे

5. (ख) दूसरों के हित के लिए प्रयास करना

10. **सभी प्रश्न एक अंक के हैं** $1 \times 2 = 2$

1. (घ) श्री कृष्ण ने

2. (क) शिव

आदर्श प्रश्न-पत्र-2

अंक योजना (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट
पूर्णांक : 40

1. 1. (ग) एक उकताहट
2. (ख) गलत जवाब प्रश्नकर्ता को सोचने के लिए प्रेरित कर सकते हैं।
3. (घ) लोगों के सोचने के तरीके अलग-अलग होते हैं।
4. (क) कुछ सही तथ्य और सोचने की शक्ति छुपी होती है।
5. (ख) कि विज्ञान-संबंधी परीक्षाएँ उतनी रोमांचक नहीं होती, क्योंकि उनके प्रश्नों और उत्तरों का सही-सही अनुमान लगाया जा सकता है।

अथवा

1. (ग) हमारे देश में व्याप्त शिक्षित वर्ग की बेकारी
2. (क) शिक्षित युवा वर्ग शारीरिक श्रमपरक कार्य करने परहेज करता है।
3. (घ) शारीरिक श्रम न करना
4. (क) जीवन का आवश्यक अंग समझते हैं
5. (घ) कठिन मेहनत करने वालों का

2. 1. (ग) भिक्षुक
2. (ख) जूठी पत्तलें छीनने को
3. (ग) पत्तल चाट रहे हैं
4. (ख) भूखे होने के कारण
5. (ग) छीनना

अथवा

1. (क) जंगली फूल
2. (घ) पाँच रंग के फूल
3. (ग) किंगफिशर
4. (ख) लान के फूल
5. (ग) द्विगु समास

3. 1. (ग) 3
2. (ख) अभी बाजार जाओ और थोड़े से आम ले आओ

3. (ग) मिश्र वाक्य
4. (क) सरल वाक्य
5. (क) संज्ञा उपवाक्य

4. 1. (क) कर्तृ वाच्य
2. (ख) कर्म वाच्य
3. (ग) हमसे चला जाए
4. (ख) रजनी कल विद्यालय आएगी।
5. (क) बच्चों द्वारा खेला जाता है

5. 1. (ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन
2. (ख) विस्मयादिबोधक, हर्ष सूचक
3. (ख) समुच्चय बोधक, कारणसूचक कार्य को जोड़ने वाला
4. (क) भाववाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, कर्ता कारक
5. (क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग

6. 1. (क) 33
2. (ख) शोक
3. (ख) वात्सल्य
4. (क) रति
5. (ख) वियोग श्रृंगार रस

7. 1. (घ) (क) और (ख) दोनों
2. (ख) रीयल
3. (ग) सुभाष चंद्र बोस
4. (ख) पान खाने
5. (ख) 2 फुट

8. 1. (घ) कबीर पंथी मठ को
2. (ग) सरकंडे का

9. 1. (क) तुलसीदास
2. (ग) गणना करने वाला
3. (ख) परशुराम को
4. (ग) परशुराम के क्रोध को देखकर
5. (क) आँखों के संकेत से

10. 1. (ग) स्वयं अपने को
2. (क) बालकांड

आदर्श प्रश्न-पत्र-3

अंक योजना (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट | पूर्णांक : 40

1. (1) (क) रसदशा

(2) (घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

(3) (ख) ज्ञानदशा

(4) (घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं

(5) (ख) जगत के मार्मिक पक्षों का प्रत्यक्षीकरण करना

अथवा

(1) (घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

(2) (घ) उपर्युक्त तीनों कथन सही हैं।

(3) (घ) केवल कथन (क) और (ख) सही है।

(4) (घ) केवल कथन (क) और (ख) सही हैं।

(5) (घ) केवल कथन (क) और (ख) सही हैं।

2. (1) (घ) उपर्युक्त में (क) और (ख) सही है।

(2) (ख) सब कुछ नष्ट हो चुका।

(3) (घ) कारीगर होना

(4) (घ) उपर्युक्त में (क) और (ख) सही हैं।

(5) (ख) कौर (रोटी का टुकड़ा)

अथवा

(1) (घ) उपर्युक्त सभी सही हैं।

(2) (घ) उपर्युक्त में (क) और (ग) सही हैं।

(3) (घ) उपर्युक्त सभी सही हैं।

(4) (घ) उपर्युक्त सभी सही हैं।

(5) (क) अपयश का कलंक हटाना

3. (1) (क) संयुक्त वाक्य

(2) (ग) मिश्र वाक्य

(3) (ग) समूह वाक्य
(4) (ख) तीन
(5) (घ) संज्ञा उपवाक्य

4. (1) (ग) कर्तृवाच्य
(2) (क) कर्मवाच्य
(3) (घ) अनीता चल नहीं सकती।
(4) (ख) सकर्मक क्रिया
(5) (क) कविता ने दूध पिया

5. (1) (क) व्यक्तिवाचक संज्ञज्ञ, पुल्लिंग, एकवचन, कर्ता कारक
(2) (ख) विस्मयादिबोधक अव्यय हर्षसूचक
(3) (क) गुणवाचक विशेषण, एकवचन, पुल्लिग, कोट का विशेष्य
(4) (ख) समुच्चबोधक अव्यय
(5) (क) सकर्मक क्रिया एकवचन, स्त्रीलिंग वर्तमान काल

6. (1) (ख) नौ
(2) (घ) निर्वेद
(3) (ख) भरतमुनि
(4) (घ) शृंगार रस
(5) (ख) करुण रस

7. (1) (ग) स्वयं प्रकाश
(2) (ग) चश्मा हर बार बदलने के बारे में
(3) (ख) मूर्ति को ध्यान से देखने
(4) (क) वह एक खुशमिजाज व्यक्ति था ।
(5) (ख) वह बार-बार बदलते चश्में का कारण जानना चाहते थे।

8. (1) (ख) पुत्र की मृत्यु पर
(2) (घ) वे रूढ़ियों को तोड़ना चाहते थे।

9. (1) (क) परशुराम के
(2) (क) आप अपने हिसाब किताब करने वाले को बुला लीजिए।
(3) (ख) लक्ष्मण के वचनों के लिए
(4) (घ) परशुराम के फरसे से डरकर
(5) (ग) अवधी भाषा

10. (1) (क) श्रीकृष्ण के आने की आशा में
(2) (ख) गोपियों ने उद्धव से

आदर्श प्रश्न-पत्र-4

अंक योजना (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

समय : 90 मिनट पूर्णांक : 40

1. (1) (ग) धरती माता की रक्षा के लिए
(2) (ख) जुलाई, 1947 को
(3) (घ) कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी जी ने
(4) (क) पौधों का
(5) (ख) महा + उत्सव

अथवा

(1) (ख) विश्व के किसी भाग में क्या घटित हो रहा है, जनता को इस बात की जानकारी देना।
(2) (ग) दुभाषिए का
(3) (क) तत्पुरुष
(4) (घ) उपरोक्त सभी
(5) (क) समाचार पत्रों की भूमिका

2. (1) (ग) (क) तथा (ख) दोनों
(2) (क) भूतकाल/अतीत
(3) (ग) स्वतंत्र भारत का हर व्यक्ति भारत के विकास में योगदान देने के लिए तत्पर है।
(4) (ख) प्रातःकाल
(5) (घ) समर्थ शक्तिपूर्ण

अथवा

(1) (क) प्राचीन रूढ़ियों के गुलाम होते हैं और उन्हें तोड़ने का साहस नहीं करते।
(2) (ख) ज़ीवन के नए मार्ग खोजने वालों का।
(3) (घ) उपयुक्त सभी
(4) (ख) जो परिश्रम करे, फल उसी को मिले।
(5) (ग) स्वतंत्रता का जीवन जीने की

3. (1) (ग) संयुक्त वाक्य
(2) (ख) जब मेरा गीत समाप्त हुआ, तो जोर-जोर से तालियाँ बज उठीं।
(3) (ग) प्रातःकाल होते ही सूरज की किरणें चमक उठीं।

(4) (ग) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(5) (ग) उसने हालदार साहब का प्रश्न सुना और वह आँखों ही आँखों में हँसा।

4. (1) (ख) कर्तृवाच्य

(2) (ग) रवि बाजार गया।

(3) (क) मेरे द्वारा भ्रष्टाचार पर निबंध लिखा गया।

(4) (घ) चोट लगने के कारण उससे चला नहीं जाता।

(5) (क) विशाल पतंग नहीं उड़ा रहा है।

5. (1) (ग) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, क्रिया का कर्ता

(2) (ख) व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, स्त्रीलिंग, संबंध कारक

(3) (ग) सार्वनामिक विशेषण, एकवचन, पुल्लिंग, 'घर' विशेष्य

(4) (क) क्रिया विशेषण, रीतिवाचक, 'चलो' क्रिया की विशेषता

(5) (क) निश्चयवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

6. (1) (ग) वीभत्स रस

(2) (घ) रौद्र रस

(3) (क) वीर रस

(4) (ख) करुण रस

(5) (ग) 4

7. (1) (ग) वे सच्चे साधुओं जैसा ही उत्तम आचार-विचार रखते थे।

(2) (क) जीवन के सिद्धांतों और आदर्शों की गहराई से अपने आचरण में पालन करना।

(3) (ख) वे कबीर की विचारधारा से प्रभावित थे।

(4) (घ) कबीरपंथी मठ में

(5) (ग) कबीर

8. (1) (ग) चश्में बेचने वाला

(2) (ग) ईश्वर भक्ति का भाव

9. (1) (ख) परशुराम को

(2) (ग) समाज से अलग होने के लिए

(3) (घ) लक्ष्मण

(4) (क) लक्ष्मण का

(5) (ख) अवधी

10. (1) (ग) उद्धव द्वारा दिए गए योग संदेश को

(2) (ग) विश्वामित्र के लिए

आदर्श प्रश्न-पत्र-5

अंक योजना (प्रथम सत्र 2021-2022)

कक्षा : दसवीं

विषय : हिंदी

निर्धारित समय : 90 मिनट | अधिकतम अंक : 40

सामान्य-निर्देश :

इस प्रश्न-पत्र में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के ही उत्तर दीजिए।

खंड-क (अपठित बोध)

1. 1. (क) कर्तव्य-पालन
   2. (ख) वहाँ के निवासियों पर
   3. (ग) वाहन चालकों को सुधारा है
   4. (क) गाँव से जुड़ी समस्याओं के निदान में ग्रामीणों की भूमिका को नकारना
   5. (घ) जिम्मेदारियों के प्रति सचेत करना

अथवा

1. (घ) परिवार का आकार बढ़ी हुई समृद्धि के साथ घटता है। इस तथ्य को समझने के लिए दो वैकल्पिक सिद्धांत प्रस्तुत करना।
2. (घ) इसकी भविष्यवाणी पश्चिमी देशों में औद्योगिक क्रांति के समय वैज्ञानिकों द्वारा की गई थीं।
3. (क) यह पहले अनुच्छेद में वर्णित घटना के लिए एक वैकल्पिक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है।
4. (घ) औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में मजदूरों की बढ़ती माँग।
5. (घ) एक ऐसा जीव जो मैदानों और झीलों में कई प्राणियों का शिकार बनता है।

2. अपठित गद्यांश $1 \times 5 = 5$
   1. (घ) तूफानों से
   2. (क) गति संभव नहीं होती
   3. (घ) विनाश हो
   4. (ख) स्वर्ग
   5. (ग) दुनिया उसकी राह में तूफान उठा दे।

अथवा

1. (क) प्रातःकाल
2. (ग) तारों के
3. (घ) जमे हुए धुएँ-सी
4. (क) सूर्य
5. (ग) अलसाए कुहरे की बाँह सिमटने लगी।

खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण)

3. रचना के आधार पर वाक्य भेद (कोई चार) $1 \times 4 = 4$

1. (ख) संयुक्त वाक्य
2. (ग) जब पिताजी ने पैसे दिए तब हम बाजार गए।
3. (ग) विशेषण उपवाक्य
4. (ग) सरल वाक्य
5. (ख) वह चोरी हो गया।

4. वाच्य (कोई चार) $1 \times 4 = 4$
1. (क) मैंने पत्र नहीं लिखा। 2. (ख) आइए; खेला जाए।
3. (ख) कर्मवाच्य
4. (ग) मुझसे बैठा नहीं जाता 5. (ख) कर्मवाच्य

5. पद-परिचय (कोई चार) $1 \times 4 = 4$
1. (ख) जातिवाचक संज्ञा, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्ता कारक
2. (घ) स्थानवाचक क्रियाविशेषण, भागना क्रिया का क्रिया विशेषण
3. (ग) विस्मयादिबोधक अव्यय, हर्षसूचक
4. (क) उत्तम पुरुषवाचक सर्वनाम, एकवचन, पुल्लिग, कर्ता कारक
5. (क) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक

6. रस (कोई चार) $1 \times 4 = 4$
1. (ग) मन में निरंतर संचारित होने वाले भाव 2. (ख) करुण
3. (ग) श्रृंगार रस 4. (ख) वीर रस
5. (क) हास्य रस

खंड-ग (पाठ्य-पुस्तक) (14 अंक)

7. पठित गद्यांश $1 \times 5 = 5$
1. (क) मधुर गान पर 2. (क) बच्चे उछल रहे थे
3. (घ) उपर्युक्त सभी 4. (ग) दोनों सही
5. (ग) आषाढ़

8. पाठों पर आधारित प्रश्न $1 \times 2 = 2$
1. (ग) चश्में बेचनेवाला 2. (ख) कबीरदास

9. पठित काव्यांश
1. (घ) दिए गए विकल्पों के सभी उत्तर सही हैं।
2. (ग) दोनों विकल्प सही हैं।
3. (ग) श्रीकृष्ण जी का
4. (क) कृष्ण के द्वारा प्रेम की मर्यादा का
5. (क) वियोग में जीने वाली महिला

10. कविताओं पर आधारित प्रश्न $1 \times 4 = 4$
1. (क) चकरी मन चकरी के समान है 2. (ख) परशुराम ने